विस्फोटक दर्पण

अंक 19

नात-जात तोड़े,
हिन्दी एक है जो
सबको जोड़े!

जिस प्रकार एक चुम्बक समान वस्तुओं को इकट्ठा रखता है, वैसे ही हिंदी भाषा पूरे देश को एकजुट रखती है।

विजन स्टेटमेंट

राष्ट्र हित तथा अपना उद्देश्य "सुरक्षा सर्वोपरि" को दृष्टिगत रखते हुए, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक तथा उनकी टीम उपलब्ध मानव संसाधन तथा ई-तकनिक का अनुकूल उपयोग करते हुए पूर्ण पारदर्शिता लाने तथा तत्पर कार्यपध्दति को समाहित करते हुये सभी अनुज्ञप्तिधारकों, जनसाधारण तथा उद्योंगों को कुशल, दक्ष तथा विनम्र सेवाएं देने के लिए सदैव प्रतिबध्द है ।

सत्यमेव जयते

अमित शाह
गृह मंत्री
भारत
AMIT SHAH
HOME MINISTER
INDIA

प्रिय देशवासियो !

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं !

हमारा देश विविध भाषाओं, बोलियों एवं संस्कृतियों का देश है। भारतीय सभ्यता, संस्कृति, साहित्य एवं दर्शन का गौरवपूर्ण इतिहास हिंदी भाषा में उपलब्ध है। हिंदी देश के सभी भाषा-भाषियों के मध्य भावों और विचारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। हिंदी भाषा में संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं तथा बोलियों के भाव जीवंत हैं। भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है।

किसी भी लोकतांत्रिक देश में जनता और शासन के मध्य जन भाषा ही संपर्क भाषा के रूप में सार्थक भूमिका अदा कर सकती है। हिंदी भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। हिंदी एक उन्नत, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। हिंदी में उच्चारित होने वाली ध्वनियों को व्यक्त करना बड़ा सरल है। हिंदी में जो बोला जाता है वही लिखा जाता है। हिंदी की इन विशेषताओं एवं सर्वाधिक लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए ही भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया एवं संविधान में इस संबंध में समुचित प्रावधान किए गए।

अपनी भाषा में मौलिक लेखन और कामकाज से अभिव्यक्ति बहुत ही सहज और सरल होती है, जो अनुवाद की भाषा से संभव नहीं है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को सरलतम रूप में अपनाकर राजकीय कामकाज में अधिक से अधिक इसका प्रयोग किया जाए। मैं भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों/ कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों इत्यादि के कार्यालय प्रमुखों एवं वरिष्ठ अधिकारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने दैनिक और सरकारी कामकाज में मूल रूप से हिंदी का प्रयोग करें ताकि कार्यालय के अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को भी अपना कार्य हिंदी में करने की प्रेरणा मिले।

उदारीकरण, भूमंडलीकरण और उपभोक्तावाद के इस युग में देश को आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनाने तथा कौशल विकास को प्रोत्साहन देते हुए आम जनता को सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि अभियांत्रिकी और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों में राजभाषा हिंदी के माध्यम से शिक्षित करने की बहुत अधिक आवश्यकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए राजभाषा विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजभाषा हिंदी का और अधिक प्रचार-प्रसार करने के लिए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **कंठस्थ** का निर्माण किया है। स्मृति आधारित इस अनुवाद कार्य प्रणाली की विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में की गई अनुवाद सामग्री का पुनः प्रयोग कर सकता है जिससे समय की काफी बचत होती है। राजभाषा विभाग द्वारा जन-साधारण के लिए **लीला हिंदी प्रवाह मोबाइल ऐप** तैयार किया गया है जिसके माध्यम से 14 विभिन्न भाषा-भाषी अपनी अपनी मातृभाषाओं में निःशुल्क हिंदी सीख सकते है।

संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा और प्रोत्साहन है। संघ की राजभाषा होने के कारण हम सभी का यह संवैधानिक दायित्व है कि हम राजभाषा संबंधित अनुदेशों का अनुपालन उसी दृढ़ता और तत्परता के साथ करें, जिस प्रकार अन्य सरकारी अनुदेशों का अनुपालन करते हैं। हम स्वयं अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करते हुए अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों से भी राजभाषा अधिनियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराएं ताकि आम आदमी सभी सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ उठा सके।

आइए ! हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम यह प्रतिज्ञा लें कि हम सब मिलकर राजभाषा हिंदी के माध्यम से स्वदेशी विज्ञान की समृद्ध परंपरा को जन-जन तक पहुंचाकर शिक्षित, शक्तिशाली एवं नए भारत का निर्माण करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे सामूहिक एवं सार्थक प्रयासों से हिंदी न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपितु विश्व पटल पर ज्ञान-विज्ञान से परिपूर्ण एवं समृद्ध भाषा के रूप में विश्व भाषा बनेगी।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से पुनः हार्दिक शुभकामनाएं !

जय हिंद !

(अमित शाह)

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2019

पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

सत्यमेव जयते

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री;
भारत सरकार
MINISTER OF
RAILWAYS AND COMMERCE & INDUSTRY;
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाने की परंपरा है। इस दिन हम राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग कर राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान की प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

हिंदी एक समृद्ध भाषा है और इसने जन मानस की आकांक्षाओं को पूरा किया है। हमने अपनी समृद्ध बौद्धिक परंपरा के साथ आधुनिक ज्ञान को मिलाकर सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। विश्व बाजार, उदारीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में भाषा, साहित्य और संस्कृति का महत्व नि:संदेह बढ़ा है, जिसमें हिंदी का विशेष योगदान रहा है। आज भारत विश्व की एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति है और हमें 2024 तक इसे पाँच ट्रिल्यन डॉलर तक ले जाना है। इसको साकार करने के लिए हमें ज्ञान-विज्ञान, अर्थव्यवस्था, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और मीडिया आदि सभी क्षेत्रों से जोड़कर उनके लाभ आम आदमी तक पहुंचाने हैं। इसमें हिंदी का भी महत्व है।

मैं उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग और इसके अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों के अधिकरियों एवं कर्मचारियों से आग्रह और आशा करता हूं कि वे यथा संभव अपने सरकारी काम-काज हिंदी में करें।

पीयूष गोयल

पीयूष गोयल

नई दिल्ली,
14 सितम्बर, 2019

Ministry of Commerce & Industry : Udyog Bhavan, Rafi Marg, New Delhi-110011
Tel. No. : +91 11 23062223, 23061492, 23061008, Fax : +91 11 23062947, E-mail : cimoffice@nic.in

डॉ. वी.के. खरे
Dr. V. K. Khare
अध्यक्ष, नराकास (का.1) एवं कार्यपालक निदेशक (प.क्षे.-I)
Chairman, TOLIC (KA-1) & Executive Director (W.R.-I)
पावरग्रिड, नागपुर / POWERGRID, Nagpur
दूरभाष / Phone : 0712-2641478-79
फैक्स / Fax : 0712-2641471

राजेंद्र दुबे
Rajendra Dubey
सचिव, नराकास (का.1) एवं वरिष्ठ महाप्रबंधक (इंजीनियरी)
Secretary, TOLIC (KA-1) & Sr. GM (Engineering)
पावरग्रिड, नागपुर / POWERGRID, Nagpur
दूरभाष/ Phone : 0712-2641478-79
फैक्स / Fax : 0712-2641366

अपूर्बा दत्ता
Apurba Datta
कोषाध्यक्ष, नराकास (का.1) एवं कनिष्ठ अधिकारी (लेखा)
Treasurer, TOLIC (KA-1) & Jr. Officer (Accounts)
पावरग्रिड, नागपुर / POWERGRID, Nagpur
दूरभाष/Phone : 0712-2641478-79, Extn. 330
मोबाइल / Mobile : 8983001366
E-mail : apurbadutta@powergridindia.com
फैक्स / Fax : 0712-2641471

सी. एन. नंदेश्वर
C. N. Nandeshwar
समन्वयक, नराकास (का.1) एवं सहायक प्रबंधक (राजभाषा)
Co-ordinator, TOLIC (KA-1) & Asstt. Manager (Rajbhasha)
पावरग्रिड, नागपुर / POWERGRID, Nagpur
दूरभाष/Phone : 0712-2641478-79, Extn. 240
फैक्स / Fax : 0712-2641366
मोबाइल / Mobile : 9422101135
E-mail : cnnandeshwar@powergridindia.com

नराकास (का-1)/नागपुर
दिनांक : 03 सितंबर, 2019

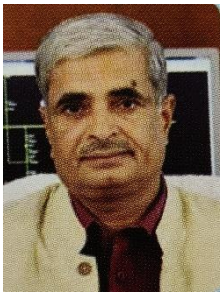

संदेश

मुझे यह जानकर हर्षानुभूति हुई कि पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो), नागपुर द्वारा इस वर्ष अपनी गृह पत्रिका 'विस्फोटक दर्पण' ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। सूचना प्रौद्योगिकी के मौजूदा दौर में हमें राजभाषा कार्यान्वयन में गति लाने के लिए विभिन्न ई-टूल्स का प्रयोग सुनिश्चित करना चाहिए। पेसो द्वारा हमेशा ही अपने सभी कार्यों में सूचना प्रौद्योगिकी का उत्कृष्ट प्रयोग किया जा रहा है।

पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन सरकारी संगठनों का एक ऐसा उपक्रम है जिसका रचनात्मक महत्व तो है ही, साथ-ही-साथ विभागीय जानकारी दर्शाने के साथ राजभाषा के प्रचार-प्रसार को भी दिशा मिलती है ।

मैं आशा करता हूँ कि यह ई-पत्रिका अपने मंतव्य में सफल होगी एवं राजभाषा कार्यान्वयन में मददगार साबित होगी। सफल पत्रिका प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं ।

(डॉ. वी.के. खरे)
अध्यक्ष, न.रा.का.स.(का-1), नागपुर

संरक्षक की कलम से

एम. के. झाला
संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक
(संगठन प्रमुख)

कोई भी देश स्वभाषा के बिना अपने राष्ट्रीय व्यक्तित्व को मौलिक रूप में परिभाषित नहीं कर सकता। जिस देश के नागरिक आपनी भाषा में सोचें और लिखें, उस देश को सभी सम्मानजनक दृष्टि से देखते है। हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में जो दर्जा मिला है उसे और अधिक पुष्ट करने में हमारी सक्रिय भूमिका बहुत की आवश्यक है। हिन्दी भाषा अत्यंत सरल एवं सहज भाषा है। हम सबकी यह कोशिश होनी चाहिए कि सरकारी काम काज में सरल हिन्दी शब्दों और आम प्रचलित शब्दों का प्रयोग करें जिसे समझने में आसानी हो।

संगठन में राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार में उत्तरोत्तर प्रगति के विविध प्रयास किए जा रहें है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण नराकास, नागपुर, द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन एवं हिन्दी पत्रिका में लगातार मिल रहें पुरस्कारों की श्रृंखला में इस वर्ष हिन्दी पत्रिका विस्फोटक दर्पण अंक 18 को प्रथम पुरस्कार मिला है। इसके साथ ही संगठन के आगरा कार्यालय को राजभाषा कार्यान्वयन में प्रथम पुरस्कार मिला है। राजभाषा के प्रचार प्रसार में पिछले वर्ष संगठन का कोलकाता कार्यालय, जो अहिन्दी भाषायी क्षेत्र है, से पहली बार अपनी गृह पत्रिका का प्रकाशन किया गया और इस बार मुंबई कार्यालय द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है और उम्मीद है, आगे सभी अंचल कार्यालय अपनी राजभाषायी गतिविधियां दर्शाती *ई- गृह पत्रिकाओं* का प्रकाशन करेगी।

मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि संगठन की हिन्दी गृह पत्रिका *विस्फोटक दर्पण* का अंक 19 इस वर्ष *ई पत्रिका* के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। पत्रिका निश्चित रूप से संगठन के कर्मियों में हिन्दी लिखने के प्रति रूझान पैदा करेगी और पाठकों एवं रचनाकारों दोनों का ज्ञानवर्धन करेगी। संगठन के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से मेरा अनुरोध है कि नियमों के अंतर्गत सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ राजभाषा के प्रचार प्रसार में पूर्ण योगदान दें और अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने का प्रयास करें ।

पत्रिका के सोद्देश्य प्रकाशन एवं संपादक मंडल के अथक प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

प्राक्कथन

शिवचंद्र मिश्रा
विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी आधिकारी

यह अत्यंत गौरव की बात है कि पेसो, नागपुर द्वारा इस वर्ष अपनी हिंदी गृह पत्रिका, ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। हिंदी की इस गौरवमयी यात्रा के लिए पेसो के समस्त परिवार को हार्दिक बधाई।

किसी भी संस्था की ऐतिहासिक पृष्ठिभूमि के लिए उसका सहित्य ही उसका दर्पण होता है। इस पत्रिका में हिंदी की अविरत यात्रा के उत्थान में सहायक आलेख, रचनाएं एवं महत्वपूर्ण जानकारियो को प्राथमिकता दी गई है। यह निश्चय ही पथ प्रदर्शक सिद्ध होगी। आज के भौतिकवादी युग में इस उद्देश्य में संलग्न सभी सहयोगियों को साधुवाद।

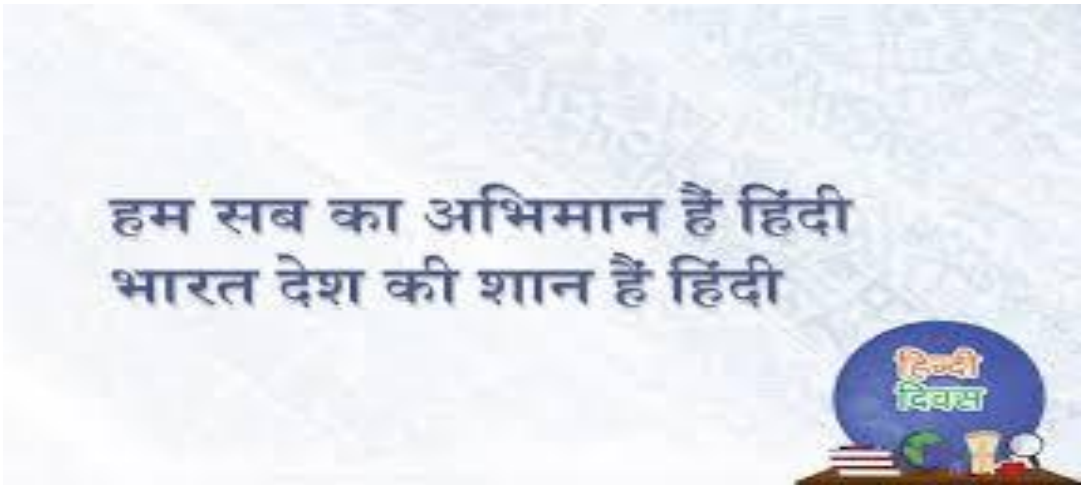

संपादकीय

डॉ. वैशाली एस चिरडे
हिन्दी अधिकारी

हिन्दी के प्रचार प्रसार की महत् उद्देश्य को लेकर प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाने वाली संगठन की हिन्दी गृह पत्रिका विस्फोटक दर्पण का इस वर्ष उन्नीसवां अंक *ई पत्रिका* के रूप में आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। प्रतिवर्ष की ही भांति हमने बहुआयामी रचनाओं और संगठन से संबंधित जानकारी युक्त एक संग्रहणीय संकलन बनाने का प्रयास किया है। अपनी नवीनतम सृजनात्मकता को समेटकर पुनः आपके समक्ष प्रस्तुत है।

विश्व में वहीं देश उन्नति कर सकता है, जिसकी भाषा विज्ञानसंगत हो। इसके लिए आवश्यक है कि हम इसे अधिकतम उपादेय एवं प्रभावी बनाने के लिए आम जनता को तकनीकी विषयो की जानकारी उनकी अपनी भाषा हिंदी में प्रस्तुत करें ताकि अनेक तकनीकी एवं वैज्ञानिक तथ्यों को जन साधारण द्वारा सरलता से समझा जा सकें । पेसो संगठन एक तकनीकी संगठन है और इसके अंतर्गत कई ऐसे विषय होते है जिसकी जानकारी केवल अंग्रेजी में ही उपलब्ध होती है। इस पत्रिका में हमारे तकनीकी अधिकारियों द्वारा विभिन्न तकनीकी विषयों पर पाठकों के लिए सरल हिंदी में लेख लिखकर राजभाषा से तकनीकी विषयों को जोडने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा संगठन के अधिकारियों द्वारा लिखी गई सरल कविताओं/ कहानियों/ लेखो ने पत्रिका को सुंदरता प्रदान की है। नवीनतम आदेशों/ का.ज्ञा. को भी पत्रिका में समाहित किया गया है ताकि संगठन के सभी राजभाषा अधिकारियों को राजभाषायी कार्यान्वयन में आसानी हो। आशा है कि सभी इस जानकारी से लाभान्वित होंगे और राजभाषा के प्रचार प्रसार का हमारा प्रयास सफल होगा।

पत्रिका प्रकाशन के लिए हमारे संगठन प्रमुख/ संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक महोदय, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी महोदय का समय समय पर बहुमूल्य मार्गदर्शन मिला, जिनकी मै आभारी हूं।

मै संगठन के उन सभी रचनाकारों का आभार व्यक्त करती हूं जिनकी रचनाओं ने हमेशा ही हमें पत्रिका हेतु लेख/ कविताएं, आदि भेजते हुए अपना बहुमूल्य योगदान दिया है, फलस्वरूप विस्फोटक दर्पण अंक 18 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन (का-1) द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि के लिए सभी बधाई के पात्र हैं। आईए इसी तरह हम सभी अपना योगदान देकर राजभाषा हिन्दी को एक नई उँचाई पर ले जाएं।

हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है: कमलापति त्रिपाठी

संरक्षक एवं प्रेरक

श्री एम. के. झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (संगठन प्रमुख)

प्रधान संपादक

श्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी

कार्यकारी संपादक

डॉ. वैशाली एस. चिरडे, हिन्दी अधिकारी

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नागपुर

क्र.	**नाम तथा पदनाम**
1.	श्री एम. के. झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (संगठन प्रमुख)
2.	श्री वी.के. मिश्रा, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक
3.	श्री पी. सीनीराज, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक
4.	श्री ए. बी. तामगाडगे, विस्फोटक नियंत्रक
5.	श्री एस.डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी
6.	श्री के. श्रीनिवासा राव, विस्फोटक नियंत्रक
7.	श्री जमुनालाल राउत, उप विस्फोटक नियंत्रक
8.	डॉ जीवरथीनम डी., उप विस्फोटक नियंत्रक
9.	श्री निनाद गावडे, उप विस्फोटक नियंत्रक
10.	डॉ. वैशाली चिरडे, हिन्दी अधिकारी
11.	श्री पी. बी. वाकोडीकर, प्रशासनिक अधिकारी
12.	श्री आर.एम. सहारे, लेखा अधिकारी
13.	श्री डी. डी. धकाते, कार्यालय अधीक्षक (अनुज्ञप्ति शाखा प्रमुख)
14.	श्री के. जी. पानतावणे, कार्यालय अधीक्षक (सामान्य शाखा प्रमुख)
15.	श्री एस. टी. पौनीकर, सहायक (तकनीकी शाखा प्रमुख)
16.	श्री सुमित ठाकुर, कनिष्ठ तकनीकी सहायक

<u>जल जैसा</u>

एम. के. झाला,
सं.मु.वि.नि.
(संगठन प्रमुख)

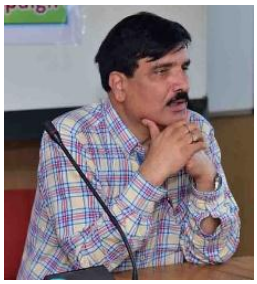

मैं जल जैसा सरल और निर्मल बन जाना चाहता हूँ
पर्वत पर हिम बनकर झरने सा झरना चाहता हूँ।
खेत खलिहानो में बाग बगीचो में अमृत जल बन बरसना चाहता हूँ।
नदी नहर झील सरोवर किनारे फिर से
पक्षियों की चहचहाहट बच्चों की अठखेलिया देखना चाहता हूँ।
जीवन दायिनी नदियों कुएं बावडियो जो मृतप्रायः सी प्रदूषण से ,
उन्हे पुनः पुराने रुप में जीवंत करना चाहता हूँ।
पनघट पर पनिहारिन का जमघट।
हँसी ठिठोली फिर से सुनना चाहता हूँ।
जल स्त्रोतो को कूड़ादान बनने से बचाना चाहता हूँ।
इस धरा पर जल जग की जंग न हो
भावी पीढ़ी के नाती पोते खड़े रहे जल राशन की कतारों में।
न बिछे लाशे जल के लिए
देश प्रदेश में न हो मारामारी, न हो
रिश्ते नातो में और बैर
खुशनुमा आनंदित वातावरण में
संसार की प्यास और जरुरत को पूरी
करने के लिए जीना चाहता हूँ
जन जीवन के सुनेपन और मायुसी में
नवजीवन संचरित करना चाहता हूँ
मैं जल जैसा सरल और निर्मल वन
जीना चाहता हूँ
मैं जल जैसा सरल और निर्मल बन
जीना चाहता हूँ।

“विनत मनुहार”

श्रावणी गांगुली
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक,
आगरा

मेघ तुम इस तप्त भू पर कुछ तो खाओ तरस ।
करो अवनि का हृदय तृप्त तुम, जमकर बरस-बरस ।।

वसुधा को तुमसे आस, करोगे प्लावित सब निर्झर ।
बूंदों संग अठखेली कर होगी प्रकृति नव्य-सुन्दर ।।
नव-जीवन पा उल्लास बिखेरेंगी दिशाएं हंस-हंस ।
करो अवनि का हृदय तृप्त तुम, जमकर बरस-बरस ।।

हर कण होगा शीतल, करेंगे नृत्य पशु-खगदल ।
सरगम छेड़ेंगी हवाएं, मचाएंगी प्रतिपल हलचल ।।
मिट जाएगी हर एक क्षुधा, जो बरसा जीवन रस ।
करो अवनि का हृदय तृप्त तुम, जमकर बरस-बरस ।।

सोच नहीं सकती वसुन्धरा, कोई शृंगार तुम बिन ।
बिखरेंगी जब मोती सम बूंदें , यूं रिमझिम रिमझिम ।।
धरती पा नव-शृंगार, करेगी तब नर्तन बरबस ।
करो अवनि का हृदय तृप्त तुम, जमकर बरस-बरस ।।

उमड़-घुमड़ कर अम्बर को, अपना वो रूप दिखाओ न ।
घन से हो आच्छादित अम्बर, वो स्याह केश लहराओ न ।।
अभिसिंचित हो जाए धरा, मौसम हो जाए सरस ।
करो अवनि का हृदय तृप्त तुम, जमकर बरस-बरस ।।

कृषक जोहते बाट तुम्हारी, उनको दो जीवनदान तुम ।
बरसो ताबड़तोड़ चहुं दिशा, उनको दो सम्मान तुम ।।
उनको खुशियां दे, जीवन के कर दो तुम दूर तमस ।
करो अवनि का हृदय तृप्त तुम, जमकर बरस-बरस ।।

<u>छोटी-सी असावधानी परिणाम स्वरुप बडा पछतावा</u>

डॉ. एम.आई.ज़ेड अंसारी,
उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, गुवाहाटी

<u>भारतीय तेल निगम के बोंगईगांव स्थित रिफाईनरी में दिनांक 21/08/2018 को घटित दुर्घटना पर एक रोचक एवं सीख लेने योग्य रिपोर्ट</u>

प्रस्तावना - हम सबने एक कहावत बचपन से सुनी है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। उसी का एक जीता-जागता उदाहरण दिनांक 21/08/2019 को देखने में आया। जब भारतीय रेल निगम के बोंगईगांव स्थित रिफाईनरी में एक जानलेवा दुर्घटना घटित हुई । वजह बहुत छोटी सी थी, परंतु भारत की इस महारत्न कम्पनी को इसका बड़ा पछतावा हुआ क्योंकि बोंगईगांव स्थित रिफाईनरी की इस दुर्घटना से उनकी सुरक्षा संबंधी सारे महत्वपूर्ण रिकार्ड ध्वस्त हो गएं । आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह रिफाईनरी उत्तर-पूर्व क्षेत्र की ही नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष में सुरक्षा के मामले में सर्वप्रथम स्थान रखने वाली एक मात्र रिफाईनरी है, जिसने इस छोटी सी दुर्घटना से पूर्व तक 16 वर्ष 5 माह एवं 29 दिन तक दुर्घटनारहित (एल.टी.ए. फ्री) रहने का अपना एक अलग कीर्तिमान स्थापित किया था जो एक छोटी सी असावधानी के कारण दिनांक 21/08/2018 को ध्वस्त हो गया जिसका उन्हें सदैव अफसोस रहेगा। यह रिफाइनरी न्यू बोंगईगांव शहर में एन.एच027 पर सन् 1980 से स्थापित है तथा यह रिफाईनरी उत्तर-पूर्व के बोडो लैंड क्षेत्र में एक बड़ी औद्योगिक इकाई के रूप में जानी जाती है। इसकी तेल शोधन क्षमता 4.5 मिलियन मिट्रिक टन प्रति वर्ष (MMTPA) है।

दुर्घटना का विवरण :- यह दुर्घटना दिनांक 21/08/2018 को लगभग 20:30 बजे रिफाईनरी में TGTU (Tail gas treating unit) के WWQCL (Waste water quench column line) में हुई, जो **SRU** (Sulfur recovery unit) का एक महत्वपूर्ण अंग है । इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु 65 प्रतिशत जलने से हो गयी। जब दिनांक 18/08/2018 को **DHDT**को **HSD** से **ATF** मोड पर बदला गया तथा SRU को फ्यूल गैस मोड पर किया गया तो WWQCL ड्रेन करने हेतु वाटर फ्लशिंग तथा **N2** परजिंग की गयी। परंतु TSP डोजिंग एवं स्ट्रीमिंग के पश्चात भी बोटम नोजल चोक होने के कारण कुछ भी बाहर नहीं आ रहा था, तब रात लगभग 20:00 बजे**L** शेप्ड़ रोड से बोट्म नोजल को डी-चोक करने का फैसला लिया गया तथा उक्त हेतु कोल्ड परमिट जारी कर कांट्रेक्ट वर्कर को समस्त कार्य दस पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में TGTU लाइन के बोट्म नोजल को खोल कर डी-चोक करने हेतु लगाया गया परंतु काफी कोशिशों के बाद भी जब L शोपड़ रोड से डी- चोकिंग नहीं हुई तभी वहां उपस्थित एक अन्य कांट्रेक्ट वर्कर ने जल्दी से स्ट्रेट शेप्ड रोड लेकर चोकिंग शुरू करने की कोशिश कि जिसके फलस्वरूप अचानक काफी प्रवाह के साथ खौलता पानी उसके पूरे शरीर पर गिर गया एवं दूसरे वर्कर के पैर पर भी पड़ा, जिसके कारण उस वर्कर का लगभग 60 प्रतिशत शरीर उसी समय जल गया। फलस्वरूप उसे तत्काल सेफ्टी शावर देकर रिफाईनरी के टाउनशीप

अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिर उक्त वर्कर को शहर के अस्पताल में और बाद में गुवाहाटी के एक बड़े अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गयी।

दुर्घटना का विश्लेषण :- इस छोटी-सी दुर्घटना ने जहां 16 वर्ष 5 माह एवं 29 दिन तक दुर्घटनारहित रहने का रिफाईनरी का अतुल्य रिकार्ड एक झटके में ध्वस्त कर दिया, जिसे शायद आज-कल के दौर में पुन: बनाना नामुमकिन लगता है। उक्त दुर्घटना की जांच हेतु उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, गुवाहाटी को कांट्रेक्ट वर्कर की मौत के बाद दिनांक 31/08/2018 को सूचित किया गया तथा वे दिनांक 01/09/2018 को घटनास्थल पर पहुंचे, जहां RHQ, ED(HSE) द्वारा गठित जाँच टीम पहले से मौजूद थी। जाँच से जिन तथ्यों का खुलासा हुआ वह वाकई में चौकाने वाले थे , क्योंकि दस पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में यह दुखद घटना हुई थी। अतः ऐसा भी नहीं कहा जा सकता है कि "लैक ऑफ कम्पीटेट सुपरविजन' की कमी थी, क्योंकि उक्त जॉब हेतु कोल्ड परमिट जारी किया गया था अतः OISD - 105 की शर्तो का भी उल्लंघन नहीं हुआ था। चूंकि डी-चोकिंग जैसी जटिल प्रक्रिया में खतरा हमेशा बना रहता है। अतः उसे कम करने के लिए वाटर फलशींग के साथ TSP केमिकल्स का भी प्रयोग किया जाता रहा है, परंतु डी-चोकिंग करने में खौलता हुआ पानी निकलना काफी स्वभाविक होता है । अत: उक्त को काबू में करने हेतु जॉब सेफ्टी एनालिसिस (JAS) किया जाना चाहिए था जबकि मौके पर बहुत अधिक संख्या में तकनीकी, कुशल एवं सक्षम व्यक्ति मौजूद थे, परंतु किसी का भी ध्यान इस ओर नहीं गया कि चोक पोशर्न के अप-स्ट्रीम में कोई आईसोलेशन वाल्व नहीं है जिससे कि खौलते पानी को अचानक से डी-चोक करते समय गिरने से रोका जा सके। TGTU कालम में लगे लेवल इंडीकेट्र या किसी अन्य साधन से यह सुनिश्चित नहीं किया गया कि स्ट्रीमिंग के पश्चात कालम खाली हो गया है या डी-चोकिंग करने हेतु पोकिंग शुरू करते वक्त कालम में गर्म तरल भरा है या नहीं। प्रोडक्शन एवं मैनेजमेंट विभाग की यह लापरवाही जानलेवा साबित हुई एवं उनकी इसी लापरवाही के कारण कंपनी का 16 वर्ष 5 माह एवं 29 दिनों तक दुर्घटनारहित रहने का अतुल्य किर्तिमान एक झटके में ध्वस्त हो गया।

दुर्घटना से सीख - सभी जटिल कार्यों हेतु जॉब सेफ्टी एनालीसिस (JAS) अवश्य किया जाना चाहिए। वर्क परमिट जारी करते समय सभी गतिविधियों को लिखा जाना चाहिए। सेफ जॉब एक्जिक्यूशन हेतु जिम्मेदार एवं कुशल पर्यवेक्षकों को कार्यस्थल पर नियुक्त किया जाना चाहिए। अप्रशिक्षित कांट्रेक्ट वर्करों को जॉब का पूर्ण विवरण तथा उसे पूरा करने में लगने वाली समस्त गतिविधियों का सिलसिलेवार ज्ञान जरूर देना चाहिए। मौके पर जोखिम भरा कार्य करते समय कंपनी के 10 महत्वपूर्ण पर्यवेक्षको की उपस्थिति असमान्य लगती है तथा इससे वर्किंग प्लेटफॉर्म पर इनकी सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है इस बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए। इस तरह की दुर्घटनाओं के पश्चात जल्दबाजी तथा अफरा-तफरी से फॉल फोम हाइट होने का खतरा सदैव बना रहता है जिससे ऊंचाई से नीचे गिरने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है । यह दुर्घटना ऐसी है कि सब कुछ जानते हुए भी छोटी-छोटी असावधानियां बरती गई और बाद में घटना घटित होने के पश्चात एक बड़े पछताये के उदाहरण के रूप

में प्रस्तुत किया जा सकता है । कृपया पाठक इस दुर्घटना से संबंधित अपने सुझावों एवं आलोचनाओं को सीधे लेखक के इमेल **mansari@explosives .gov. in** पर प्रेषित कर सकते है।

नियमों का उल्लघंन -नियम 12 (1): समय रहते दुर्घटना से बचने हेतु समस्त उपाय नहीं किए गए।
नियम 12 (2) c : दुर्घटना से बचने हेतु दूसरे व्यक्ति को गलत कार्य करने से नहीं रोका गया।
नियम 118 :दुर्घटना से बचने हेतु व्यवहारिक प्रशिक्षण कांट्रेक्ट वर्करों को नहीं दिया गया जिसके अभाव में उक्त दुर्घटना घटित हुई।

रीइन्फोर्स्डथर्मोप्लास्टपाइप (Reinforced Thermoplast Pipe - RTP)

परिचय:

रीइन्फोर्स्डथर्मोप्लास्टपाइप लचीला एवं लम्बी कवाईल वाला पाइप होता है। जिसे कम खर्च पर एवं आसानी से स्थापित किया सकता है।

ये उच्च घनत्व पोलीइथाइलीन के संक्षारण प्रतिरोध, उच्च तन्यता, उच्च प्रभाव के सिंथेटिक फाइबर एवं तापमान प्रतिरोधी होने के कारण इसे ऑइलफिल्ड फलोलाईन में, अपशिष्ट जल निकासी एवं इंजेक्शन लाइन अनुप्रयोगों के लिए आदर्श रूप से अनुकूल माना जाता है । इसका मध्य एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया एवं यूरोप में 20 वर्षों का व्यापक रिकार्ड रहा है।

बनावट : -

आर.टी.पी. तीन परतों वाला पाइप होता है।

1. उच्च घनत्व पॉलीइथाइलीन लाइनर पाइप तरल पदार्थों के रिसाव को रोकता है ।
2. एक सुदृढीकरण परत जिसमें फाइबर सुदृढीकरण एक समान रूप के परतों को मिलाकर बनाया जाता है। आमतौर पर इसमें उच्च शक्ति वाले अरामिड फाइबर का उपयोग किया जाता है, क्योंकि यह कृत्रिम फाइबर सामग्री के अदिवतीय संयोजन को दिखाता है। बहुत उच्च तन्यता, कम रेंगन, पूर्ण संक्षारण, प्रतिरोध एवं उच्च प्रभाव शक्ति का संयोजन आदि जैसे प्रकृति किसी और फाइबर सामग्री में नहीं पाया जाता है। उदाहरण ग्लास फाइबर। अरामिड फाइबर का तापमान बहुत अच्छा और यह अग्नि प्रतिरोधक भी होता है।

वैकल्पिक रूप से अरामिड फाइबर के बदले उच्च तन्यता ताकत वाले स्टील के तार का उपयोग आर.टी.पी. को मजबूत बनाने के लिए किया जा सकता है। अतः वैकल्पिक रूप में किए गए उपयोग के कारण संक्षारण का जोखिम भी बढ़ जाता है, जिससे अधिक परिचालन दवाब देखा जा सकता है।

3. फाइबर के सुदृढीकरण को बाहरी क्षति, घर्षण एवं पैराबैगनी किरणों से बचाने के लिए उस पर एक सुरक्षात्मक बाहरी एच.डी.पी.ई. परत होता है । आमतौर पर बाहरी परत पर सफेद यौगिक होता है जो सूर्य के प्रकाश को परावर्तित कर देता है और इसे सूर्य के ताप से बचाता है । इसी कारण आर.टी.पी. को विगत 20 वर्षों से रेगिस्तान और उष्णकटिबंधीय जैसे स्थितियों में भी संचालित किया जाता है।

भूमि के अंदर गहराई में स्थापित आर.टी.पी. की उम्र लगभग 50 वर्षों की होती है । इसके लचीलापन, कम कठोरता और कम तापमान के कारण इसे आसानी से कम खर्च पर स्थापित किया जा सकता है। इसके लचीलेपन के कारण इसे सड़क परिवहन द्वारा इसे कहीं भी ले जाने में आसानी होती है। हालांकि धातु की फिटिंग के कारण यह संक्षारित हो सकता है, परंतु नियमित निरीक्षण और सही रख - रखाव से इससे बचा जा सकता है।

पाइप लाइफ को प्लास्टिक कम्पोजिट फिटिंग डिजाइन पर चुना जाता है। जो इलेक्ट्रा फियुजन के सिद्धांत पर आधारित है। जो निम्न दाब एच.डी.पी.ई.के इलेक्ट्रा फियुजन सिलव एच.डी.पी.ई सिलय से बना हुआ होता है । जो एच.डी.पी.ई. के सतह को आर.टी.पी. से जोडे हुए रखता है। एच.डी.पी.ई. सिलव के अंदर तांबे का गर्म कुंडली होता है, जो विद्युत शक्ति से सिलव और पाइप के किनारो को एक मजबूत पकड प्रदान कराता है। बट वेल्डिंग और इलेक्ट्रा फियुजन वेल्डिंग प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित कम्पयूटरों द्वारा नियंत्रित की जाती है ताकि मानव हस्तक्षेप और किसी भी त्रुटि से बचा जा सके। कम्पयूटरों हर वेल्ड के वेल्डिंग मापदंडों का रिकार्ड रखता है। किसी भी त्रुटि को आसानी से पता लगाया जा सकता है । आर.टी.पी. अच्छा अग्निप्रतिरोधी होता है। आर.टी.पी. के परीक्षण के दौरान यह 1100 डिग्री सेलिसियस की अग्नि को भी 6 मिनट तक सहन कर सकता है। यद्यपि परीक्षण के दौरान उसका बाहरी परत जलता है, किन्तु प्रबलित परत और पॉलीइथालीन के उष्मारोधी गुण के कारण अरामिड फाइबर के सुदृढीकरण को रोकता है। आर.टी.पी. के इसी गुण के कारण इसे भविष्य में अग्नि संवेदलशील क्षेत्रों में उपयोग किया जा सकता है। किए गए अनेक परीक्षणों से यह प्रमाणित हो चुका है कि आर०टी०पी० स्टील पाइप और ग्लासफाइबर इपोक्सी पाइप से बेहतर है। इसके लचीलेपन के कारण इसे 400 मीटर तक के कवाईल में भी आपूर्ति किया जा सकता है। यह बहुत ही कम खर्च एवं आसानी से भूमि के सतह पर और नीचे स्थापित किया जा सकता है। इसे भूमि के अंदर 1 घंटे में 1 किलोमीटर तक आसानी से बिना किसी सहारे के स्थापित किया जा सकता है। इसे भूमि की सतह पर स्वचालित ट्रेचिग तकनीक के द्वारा 1 घंटे में लगभग 100 मीटर तक स्थापित किया जा सकता है । आर.टी.पी. का प्रयोग सन् 2000 से तेल और गैस उद्योग के क्षेत्र में भी किया जाता रहा है। तेल क्षेत्र में पाइपों में होने वाले संक्षारण को रोकने के लिए आर.टी.पी. का प्रयोग बहुत ही किफायती समाधान है। वर्तमान समय में मात्र 6 मीटर परिधि वाले आर.टी.पी. उपलब्ध है। अरामिड आर0टी0पी0 100 बार के दबाव को सहन कर सकता है जबकि स्टील लेपित आर.टी.पी. पाइप 150 बार के दबाव एवं 65 डिग्री सेल्सियस तापमान को ही सहन कर सकते हैं।

पर्यावरण

मृदुल कुमार पाण्डेय
विस्फोटक नियंत्रक, चण्डीगढ़

पर्यावरण दो शब्दों का संगम - परि जो हमारे चारों ओर है और आवरण जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है। पर्यावरण सभी भौतिक, रासायनिक एवं जैविक कारकों की समागत इकाई है जो किसी जीवधारी को प्रभावित करते है और उनके रूप, रंग एवं जीवन शैली को समीर से ही सम्पूर्ण सृष्टि व जीवन शैली को तय करते हैं।

इस संबंध में पुरातन काल से ही यह कहा गया है क्षिति, जल, पावक, गगन व समीर से ही सम्पूर्ण सृष्टि व जीवन है। पुरातन काल में प्रकृति व मानव एक दूसरे के बहुत निकट थे। मानव प्रकृति को पूंजता था जो वो प्रकृति प्रदान करती थी उसको ग्रहण करता था। मानव की असीमित इच्छाशक्ति होने व आबादी बढ़ने के कारण विभिन्न प्रकार की सभ्यताएँ बनी व मानव विकास के मार्ग पर आगे बढ़ता गया। भौतिक सुखों व संसाधनों की चाह में मानव ने औद्योगिक क्षेत्रों में कदम रखा। परिणामतः प्रकृति का दोहन आरम्भ हुआ।

अनियंत्रित औद्योगीकरण के कारण हमें आज वायु प्रदषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, भूमंडलीय उष्णीकरण, रेडियो धर्मी प्रदूषण जैसे शब्द सुनने को मिल रहे है। जहरीली गैसों के कारण सांस लेना कठिन हो रहा है, जल प्रदूषण के कारण जीव जन्तु मलियाँ वगैरह तड़प रहे है। विभिन्न रासायनिक उत्पादों का पर्यावरण में उत्सर्जन होने से ओजोन परत का क्षय हो रहा है और बड़ी मात्रा में पराबैंगनी किरणे पृथ्वी पर पहुंच रही है। इसके परिणामस्वरूप मानव शरीर में मोतिया बिंद और कैंसर जैसी बीमारियां हो रही है व जीव जन्तुओ में भी विकार उत्पन्न हो रहे है। इतना रेडियोधर्मी कचरा इकट्ठा हो गया है कि उसको निपटाना एक समस्या बन चुकी है। सारांश यह है कि हमारा पर्यावरण प्रत्येक क्षेत्र में प्रदूषित होता जा रहा है। इसी प्रकार प्रदूषण यदि बढ़ता रहा तो पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ जाएगा।

हम मानव है इसलिए हाथ पर हाथ रखकर बैठे नहीं रह सकते है। पर्यावरण स्वच्छ रखने व बेकार कचरे का निपटारा करने के लिए हमारे देश में बहुत सारे कदम उठाये जा रहे है। पृथ्वी का क्षेत्रफल व प्राकृतिक उत्पाद सीमित है और यह प्राकृतिक उत्पाद एक चक्र में घूमते है। इस चक्र से छेड़्छाड करने पर प्रकृति अपनी आपदा दिखती है।

इस अंधी औद्योगिक विकास की दौड़ में पर्यावरण और मानव को सामंजस्य बनाकर रखना होगा अन्यथा प्रदूषित पर्यावरण के दुष्परिणाम भी झेलने होंगे। हमारे देश में जनसंख्या वृद्धि पर्यावरण के लिए बहुत बड़ी समस्या है। इस पर रोक लगाना होगा क्योंकि यदि हम रोटी, कपड़ा मकान की आवश्यकताओं में उलझे रहे तो आगे कुछ सोच नहीं पायेंगे। बेकार उत्पादों की पुनरावृत्ति व कचरा प्रबंधन को विकसित करना होगा।विकास की अंधी दौड़ में हम कहीं पर्यावरण को इतना प्रदूषित न कर दें कि हमारा मानव जीवन व पृथ्वी गृह का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाये। इसलिए हम सभी का कार्तव्य है कि हम पर्यावरण को स्वच्छ रखें।

<u>पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस पाइपलाइन इंटीग्रिटी प्रबंधन</u>

(उनके डिजाइन सर्विस जीवन के बाद)

जमुनालाल राउत,
उप-विस्फोटक नियंत्रक,
नागपुर

पेट्रोलियम उत्पादों और कच्चे तेल के परिवहन का तरीका परिवहन के अन्य तरीकों की तुलना में पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित और इको फ्रेंडली है। एक बंद प्रणाली होने के कारण,हैंडलिंग और पारगमन के नुकसान न्यूनतम हैं, इसलिए पाइपलाइन को परिवहन का सबसे अच्छा तरीका भी माना जाता है। क्रॉस-कंट्री पाइपलाइन हमारे देश की ऊर्जा सुरक्षा की लाईफ लाइन हैं। पेट्रोलियम उत्पादों के प्रभावी परिवहन के लिए, देश में पाइपलाइन का एक विशाल नेटवर्क कई वर्षों से बना है। पाइपलाइन से रिसाव, छलकन, आग आदि से हाइड्रोकार्बन के परिवहन से जुड़े अंतर्निहित खतरे हैं। सार्वजनिक स्थानों पर बिछाई गई पाइपलाइन और उनके पुराने होने के साथ अतिरिक्त सुरक्षा जोखिम भी हैं। भारत में तेल उद्योग की क्रॉस-कंट्री पाइपलाइनों में से कुछ 25 साल से भी अधिक पुरानी हैं। ऐसे में, डिजाइन लाइफ में प्रचालित पाइपलाइनों के मुकाबले इस तरह की क्रॉस-कंट्री पाइपलाइनों का सख्ती से निरीक्षण और रखरखाव आवश्यक है। इन जोखिमों को कम करने के लिए, यह आवश्यक है कि इन पाइपलाइनों की प्रामाणिकता का आकलन करने के लिए संरचित दिशानिर्देशों का पालन किया जाए।

पुराने पाइपलाइनों के ऑपरेटरों को सबसे पहले आधारभूत सर्वेक्षण करना होगा, जिससे पाइपलाइन के प्रदर्शन का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसमें एक स्मार्ट पिग रन, ऑपरेटिंग रिकॉर्ड की समीक्षा, आदि शामिल हैं। यह समझना होगा कि एक सटीक मूल्यांकन पाइपलाइन सर्विस लाइफ पर एकत्रित गुणवत्तापूर्ण डेटा पर निर्भर करता है।

इंटिग्रिटी असेसेमेंट के प्रकार- क्रॉस कंट्री पाइपलाइन के शुरू में अनुमानित डिजाइन लाइफ के पूर्ण होने के बाद, उपयुक्त तरीकों का उपयोग करके, एक वर्ष के भीतर पाइपलाइन की इंटिग्रिटी की निम्नलिखित मानिटरिंग /असेसमेंट की जानी चाहिए:

- इन-लाइन निरीक्षण,
    - क. संक्षारण जांच, कूपन, पाइप लाइन में रखा सेंसर द्वारा गणना के अनुसार जंग की दर
    - ख. पिग अवशेषों की रासायनिक जांच
    - ग. एक हाई-रिज़ॉल्यूशन उपकरण के द्वारा पिगिंग
    - घ. निरीक्षण से संबंधित रिकॉर्ड, जैसे बाहरी या आंतरिक रेखा की स्थिति

- दाब परीक्षण
- सीपी प्रणाली की समीक्षा
- लीक, बर्स्ट और मरम्मत के रिकॉर्ड की समीक्षा
- प्रत्यक्ष मूल्यांकन, या अन्य नई तकनीक।

इंटिग्रिटी असेसेमेंटटेस्ट की फ्रिक्वेंसी : पेट्रोलियम पाइपलाइनों के लिए 25 वर्ष के डिजाइन लाइफ के बाद किए जाने वाले परीक्षणों की फ्रिक्वेंसी का विवरण निम्नलिखित तालिका में विस्तृत है।

परीक्षण के प्रकार/ विश्लेषण	**25 वर्षों के डिजाइन लाईफ के बाद किए जाने वाले**
फ़ीड गुणवत्ता विश्लेषण	CO2, H2 S, Cl, S, नमी / पानी, घनीभूत, pH मान आदि के लिए वर्ष में एक बार विश्लेषण किया जाना चाहिए।
स्क्रेपर पिगिंग	(i) नॉन एटीएफ पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन - छह महीने में एक बार। (ii) एटीएफ पाइपलाइन अन्य पेट्रोलियम उत्पादों को भी ले जाने वाली- तीन महीने में एक बार। (iii)समर्पित एटीएफ पाइपलाइन - वर्ष में एक बार । (iv) क्रूड ऑयल पाइपलाइन - तीन महीने में एक बार। (v) टू फेज/ मल्टीफ़ेज फ्लो - वर्ष में एक बार (या आवश्यक होने पर अधिक) (vi) ड्राय गैस के लिए - 5 वर्ष की अवधि में एक बार (vii) एलपीजी गैस - वर्ष में एक बार
पिग अवशेष का विश्लेषण जमा (पिग अवशेष) की मात्रा और गुणवत्ता का रिकार्ड	पाइपलाइन संक्षारण / क्षय की प्रवृत्ति के संदर्भ में प्रत्येक पिगिंग के मक (लीद) और अवशेषों के विश्लेषण की मात्रा की तुलना की जानी चाहिए और एक ट्रेंड का विश्लेषण किया जाना चाहिए। यदि मक/ संक्षारण उत्पाद, अन्य संक्षारक संकेत, जैसे कि सल्फर, पीएच, एच 2 एस आदि की मात्रा में वृद्धि होती है, तो पिगिंग फ्रिक्वेंसी बढ़ाई जानी चाहिए और संक्षारण दर निर्धारित किया जाना चाहिए। संक्षारण उत्पाद में वृद्धि का ट्रेंड, यह संकेत देता है कि संक्षारण का पता लगाने के लिए गुणवत्ता का तुरंत विश्लेषण किया जाए।
आंतरिक संक्षारण मानिटरिंग	• यदि क्षरण की दर 1 MPY (प्रति वर्ष मिल्स प्रवेश) से अधिक है, तो संक्षारण अवरोधक की उपयुक्त डोज को इंजेक्ट किया जाए और संक्षारण दर मानिटरिंग कार्यक्रम लागू किया जाना चाहिए। • वेट नेचुरल गैस को संक्षारक मानते हुए संक्षारण अवरोधक की प्रभावशीलता की मानिटरिंग के साथ ही शुरुआत से ही अवरोधक डोज़ींग जारी रखनी चाहिए।

	पाइप की मरम्मत / प्रतिस्थापन तय करने के लिए आंतरिक संक्षारण डेटा को आईपी परिणामों और फिटनेस मूल्यांकन विवरणों के साथ सत्यापित किया जाना चाहिए। • यदि आंतरिक संक्षारण दर 5 MPY से अधिक है, तो लाइन की स्थिति का आकलन करने के लिए अगली आइपीएस उपयुक्त रूप से विकसित होगी।
प्रभावीपिगिंग सर्वेक्षण	डिजाइन लाईफ के पूरा होने के तुरंत बाद एक साल के भीतर, IPS किया जाएगा और निष्कर्षों के आधार पर फ्रिक्वेंसी तय की जाएगी, किंतु आठ (8) वर्षों के अंतराल के बाद नहीं। हालाँकि, यदि किसी भी ऑपरेटर ने पिछले पाँच (5) वर्षों के दौरान IPS किया है, तो उसी पर विचार किया जाएगा और अंतिम IPS के निष्कर्षों के आधार पर अगला आइपीएस किया जाएगा, लेकिन आठ (8) वर्षों के अंतराल के बाद नहीं। • तेल और गैस पाइपलाइनों के लिए शेष जीवन का आकलन ASME B31.8S की तालिका 3 के अनुसार किया जा सकता है। • इसके अलावा, इस डेटा का उद्देश्य और भविष्य में उपयोग के लिए फिट होने के लिए विश्लेषण किया जाना चाहिए।
कैथोडिक संरक्षण, मानिटरिंग , उन्नयन और प्रभावशील परीक्षण	• स्थापित स्थायी सीपी इकाइयों की प्रभावशीलता की मानिटरिंग • पूरी पाइपलाइन (पोलराइज्ड/ध्रुवीकृत) के लिए मिट्टी की क्षमता के लिए पाइप को (-) 0.85 वोल्ट से (-) 1.20 वोल्ट तांबे/ कॉपर सल्फेट आधे सेल के संबंध में बनाए रखने की आवश्यकता है। • हर छह महीने में पूरे पाइप लाइन के टेस्ट लीड पॉइंट (टीएलपी) पर तत्काल पीएसपी ऑन के साथ पीएसपी ऑफ की रिडिंग ली जाएगी। • प्रत्येक पाइपलाइन के लिए वार्षिक स्तर पर वर्तमान खपत डेटा / वर्तमान घनत्व डेटा / लाइन का संरक्षण स्तर आदि, विश्लेषण किया जाना है, और उपचारात्मक उपायों जैसे कि प्रभावित वर्तमान सीपी स्टेशन को निष्कर्षों के आधार पर मजबूत करना, आदि किया जाना चाहिए।.
मृदा परीक्षण	• डिजाइन लाईफ के पूरा होने के तुरंत बाद एक वर्ष के भीतर, मृदा प्रतिरोधकता सर्वेक्षण किया जाएगा। • उसके बाद, दस साल में एक बार मृदा प्रतिरोधकता परीक्षण किया जाएगा
दाब परीक्षण (हाइड्रो टेस्टिंग)	• पाइपलाइन के डिजाइन लाईफ में एकत्रित किए गए आंकड़ों के आधार पर, ऑपरेटर द्वारा संपूर्ण पाइपलाइन / पाइप लाइन के अनुभाग का दाब परीक्षण (हाइड्रो परीक्षण) करने का निर्णय लिया जाना है। निम्नलिखित आंकड़ों पर

	विचार किया जाना चाहिए: क. रिसाव, बर्स्ट और मरम्मत के रिकॉर्ड की समीक्षा ख. पाइप लाइन में रखे क्षरण कूपन के आधार पर संक्षरण की दर की गणना। ग. एक उच्च-रिज़ॉल्यूशन टूल के माध्यम से कुशल पिगिंग। • दाब परीक्षण (हाइड्रो टेस्ट) के आधार पर पाइप लाइन की मरम्मत / प्रतिस्थापन कार्रवाई की जाए।
जोखिम मूल्यांकन	वास्तविक आबादी को ध्यान में रखते हुए जोखिम को पहचानने के लिए मात्रात्मक जोखिम मूल्यांकन (QRA) 5 वर्षों में एक बार किया जाना है ताकि और उच्च जोखिम वाले क्षेत्र या कम जोखिम वाला क्षेत्र आबादी और स्थायी बस्तियों में वृद्धि के कारण उच्च जोखिम क्षेत्र बन गया है। जोखिम में कमी के उपायों को कार्यान्वित किया जाना चाहिए।
फैटिग (श्रान्ति) परीक्षण (ईआरडब्ल्यू और एलएसएवाई पाइपों के लिए)	किसी भी पाइपलाइन / पाइपलाइन अनुभागों में फैटिग की विफलता के पुराने मामलों के आधार पर, विफलता एलएसएवी और ईआरडब्ल्यू सीम पाइप की फैटिग शक्ति स्थापित करने के लिए फैटिग परीक्षण किया जाएगा।

एक एजिंग पाइपलाइन सिस्टम में दोषों और क्षति का आकलन करना-

पाइपलाइन में उपरोक्त तरीकों से पहचाने गए किसी भी दोष का आकलन फिटनेस-फॉर- पर्पज मेथड विधियों का उपयोग करके किया जा सकता है। विश्लेषण और किसी भी परिणामी मरम्मत निम्नलिखित पर निर्भर करता है:

i. डिफेक्ट की गंभीरता: स्थान, गहराई, लंबाई, ओरियंटेशन, अभिविन्यास, ii. पाइपलाइन का वित्तीय/ स्ट्रेटिजिक वैल्यू(रणनीतिक मूल्य), iii. पर्यावरण और जन संपर्को के लिए थ्रेट(खतरा), iv. विनियामक/ कानूनी/ बीमा v. विफलता के परिणाम।

उपरोक्त परीक्षण परिणाम, पाइपलाइन रिपेयर/मरम्मत / रिप्लेसमेंट कार्रवाई की जाए।

रीइन्फोर्स्ड थर्मोप्लास्टिक पाइप

गगन अग्रवाल,
उप विस्फोटक नियंत्रक,
गुवाहाटी

परिचयः रीइन्फोर्स्ड थर्मोप्लास्टिक पाइप लचीला एवं लम्बी कवाईल वाला पाइप होता है, जिसे कम खर्च पर एवं आसानी से स्थापित किया सकता है। ये उच्च घनत्व पोलीइथाइलीन के संक्षारण प्रतिरोध, उच्च तन्यता, उच्च प्रभाव के सिंथेटिक फाइबर एवं तापमान प्रतिरोधी होने के कारण इसे ऑइलफिल्ड फ्लोलाईन में, अपशिष्ट जल निकासी एवं इंजेक्शन लाइन अनुप्रयोगों के लिए आदर्श रूप से अनुकूल माना जाता है। इसका मध्य एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया एवं यूरोप में 20वर्षों का व्यापक रिकार्ड रहा है।

बनावटः- आर.टी.पी. तीन परतों वाला पाइप होता है।

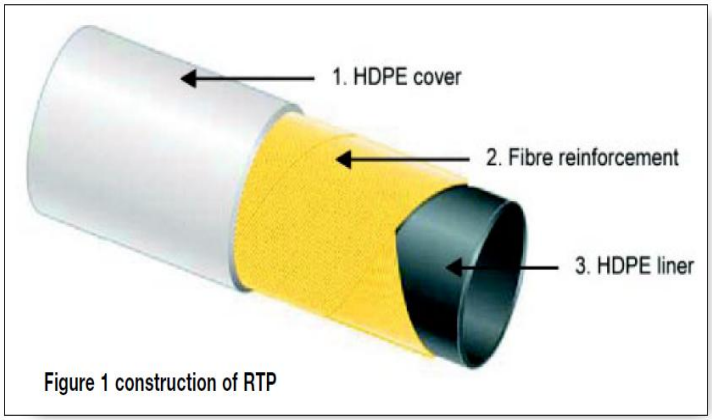

Figure 1 construction of RTP

1. उच्च घनत्व पॉली इथाइलीन लाइनर पाइप तरल पदार्थों के रिसाव को रोकता है।
2. एक सुदृढीकरण परत जिसमें फाइबर सुदृढीकरण एक समान रूप के परतों को मिलाकर बनाया जाता है। आमतौर पर इसमें उच्च शक्ति वाले अरामिड फाइबर का उपयोग किया जाता है, क्योंकि यह कृत्रिम फाइबर सामग्री के अद्‌वितीय संयोजन को दिखाता है। बहुत उच्च तन्यता, कम रेंगन, पूर्ण संक्षारण, प्रतिरोध एवं उच्च प्रभाव शक्ति का संयोजन आदि जैसे प्रकृति किसी और फाइबर सामग्री में नहीं पाया जाता है। उदाहरण ग्लास फाइबर। अरामिड फाइबर का तापमान बहुत अच्छा और यह अग्नि प्रतिरोधक भी होता है।

   वैकल्पिक रूप से अरामिड फाइबर के बदले उच्च तन्यता ताकत वाले स्टील के तार का उपयोग आर0टी0पी0 को मजबूत बनाने के लिए किया जा सकता हैं। अतः वैकल्पिक रूप में किए गए उपयोग के कारण संक्षारण का जोखिम भी बढ़ जाता है, जिससे अधिक परिचालन दवाब देखा जा सकता है।
3. फाइबर के सुदृढीकरण को बाहरी क्षति, घर्षण एवं पैराबैगनी किरणों से बचाने के लिए उस पर एक सुरक्षात्मक बाहरी एच0डी0पी0ई0 परत होता है। आमतौर पर बाहरी परत पर सफेद यौगिक होता है जो सूर्य के प्रकाश को परावर्तित कर देता है और इसे सूर्य के ताप से बचाता है। इसी कारण आर0टी0पी0

को विगत 20वर्षों से रेगिस्तान और उष्णकंटिबंधीय जैसे स्थितियों में भी संचालित किया जाता है। भूमि के अंदर गहराई में स्थापित आर.टी.पी. की उम्र लगभग 50 वर्षों की होती है। इसके लचीलापन, कम कठोरता और कम तापमान के कारण इसे आसानी से कम खर्च पर स्थापित किया जा सकता है। इसके लचीलेपन के कारण इसे सड़क परिवहन द्वारा इसे कहीं भी ले जाने में आसानी होती है। हालांकि धातु की फिटिंग के कारण यह संक्षारित हो सकता है, परंतु नियमित निरीक्षण और सही रख-रखाव से इससे बचा जा सकता है।

4. पाइप लाइफ को प्लास्टिक कम्पोजिट फिटिंग डिजाइन पर चुना जाता है। जो इलेक्ट्रा फ्युजन के सिद्धांत पर आधारित है। जो निम्न दाब एच.डी.पी.ई. के इलेक्ट्रा फ्युजन सिलव एच.डी.पी.ई. सिलव से बना हुआ होता है। जो एच.डी.पी.ई. के सतह को आर.टी.पी. से जोडे हुए रखता है। एच.डी.पी.ई. सिलव के अंदर तांबे का गर्म कुंडली होता है, जो विद्युत शक्ति से सिलव और पाइप के किनारो को एक मजबूत पकड प्रदान कराता है। बट वेल्डिंग और इलेक्ट्रा फ्युजन वेल्डिंग प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित कम्पयूटरों द्वारा नियंत्रित की जाती है ताकि मानव हस्तक्षेप और किसी भी त्रुटि से बचा जा सके। कम्पयूटरा हर वेल्ड के वेल्डिंग मापदंडों का रिकार्ड रखता है। किसी भी त्रुटि को आसानी से पता लगाया जा सकता है। आर.टी.पी. अच्छा अग्निप्रतिरोधी होता है। आर.टी.पी. के परीक्षण के दौरान यह 1100 डिग्री सेलिसियस की अग्नि को भी 6 मिनट तक सहन कर सकता है। यद्यपि परीक्षण के दौरान उसका बाहरी परत जलता है, किन्तु प्रबलित परत और पॉलीइथालीन के उष्मारोधी गुण के कारण अरामिड फाइबर के सुदृढीकरण को रोकता है। आर.टी.पी. के इसी गुण के कारण इसे भविष्य में अग्नि संवेदलशील क्षेत्रों में उपयोग किया जा सकता है। किए गए अनेक परीक्षणों से यह प्रमाणित हो चुका है कि आर.टी.पी. स्टील पाइप और ग्लासफाइबर इपोक्सी पाइप से बेहतर है। इसके लचीलेपन के कारण इसे 400 मीटर तक के कवाईल में भी आपूर्ति किया जा सकता है। यह बहुत ही कम खर्च एवं आसानी से भूमि के सतह पर और नीचे स्थापित किया जा सकता है। इसे भूमि के अंदर 1 घंटे में 1 किलोमीटर तक आसानी से बिना किसी सहारे के स्थापित किया जा सकता है। इसे भूमि की सतह पर स्वचालित ट्रेंचिग तकनीक के द्वारा 1 घंटे में लगभग 100 मीटर तक स्थापित किया जा सकता है। आर.टी.पी. का प्रयोग सन् 2000 से तेल और गैस उद्योग के क्षेत्र में भी किया जाता रहा है। तेल क्षेत्र में पाइपों में होने वाले संक्षारण को रोकने के लिए आर.टी.पी. का प्रयोग बहुत ही किफायती समाधान है। वर्तमान समय में मात्र 6 मीटर परिधि वाले आर.टी.पी. उपलब्ध है। अरामिड आर.टी.पी. 100 बार के दबाव को सहन कर सकता है जबकि स्टील लेपित आर0टी0पी0 पाइप 150 बार के दबाव एवं 65 डिग्री सेल्सियस तापमान को ही सहन कर सकते हैं।

प्रान्तीय ईर्ष्या-द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता इस हिंदी प्रचार से मिलेगी, उतनी दूसरी किसी चीज़ से नहीं मिल सकती: सुभाषचंद्र बोस

अन्तर्राष्ट्रीय पैठ बनाते हिन्दी के नए शब्द

(भारतीय अनुवाद परिषद के ''अनुवाद'' पुस्तक के जनवरी-मार्च 2017 : अंक 170 से साभार)

श्रावणी गांगुली
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक
आगरा

डार्विन और उसके सहयोगी हक्सले,''विजविड'' और ''कोनिनफार'' का यह मानना था कि ''भाषा ईश्वर का दिया हुआ उपहार नहीं है, भाषा शनै: - शनै: ध्वन्यात्मक शब्दों और बोली से उन्नति करके इस दशा को पहुँची है ।'' इसी तरह कई भाषा-वैज्ञानिकों का मत है कि मनुष्य बहुत काल तक गूँगा रहा, संकेत और भू-प्रक्षेप से काम चलाता रहा, जब काम न चला तो भाषा बना ली और परस्पर संवाद करके शब्दों के अर्थ नियत कर लिए । अर्थात् भाषा के माध्यम से संवाद करने की चाह में मनुष्य ने सदैव नए नए शब्दों को अपनाया है । उदाहरण के लिए शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए ''विकलांग'' के स्थान पर ''दिव्यांग'' शब्द के प्रयोग के आग्रह को देखा जा सकता है । ''दिव्यांग'' शब्द दो शब्दों से बना है - दिव्य + अंग । दिव्य का तात्पर्य है दैवीय, पवित्र, अपूर्व, सुन्दर, उत्कृष्ट (divine heavenly)। इसी तरह अंग का अर्थ है - संघटक, उपादान, अवयव, देह, शव, काया, समिति, जिस्म, भाग, खण्ड तथा अंश (limb, organ, part) । इस तरह दिव्यांग शब्द का तात्पर्य हुआ - ''वह काया या शरीर जिसे दिव्य अथवा अपूर्व शक्ति एवं क्षमता प्राप्त है''। कुल मिलाकर इस शब्द में सकारात्मक भाव पैदा होता है ।

समय के साथ-साथ नए शब्दों का जन्म होता रहता है, कुछ शब्दों को मान्यता प्राप्त हो जाती है, कुछ शब्द अपने आप परिवेश में जगह बना लेते हैं तो कई शब्द नकार दिए जाते हैं और धीरे-धीरे विलुप्त हो जाते हैं । समय अबाध गति से चलता रहता है और समय के साथ-साथ स्थितियाँ और परिस्थितियाँ बदलती जाती हैं । बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ही अंग्रेजी के बाद अब हिन्दी भी बदल रही है । अंग्रेजी के बहु-प्रचलित शब्दों को अब हिन्दी अपनाने जा रही है । 'थिंक टैंक','पोस्टल आर्डर' और 'ड्राफ्ट' जैसे शब्द हाल ही में हिन्दी के शब्दकोशों में शामिल हो गए हैं। वहीं 'ब्यूरो''रेस्तराँ,'डीलक्स','टेबल','पेन' जैसे शब्दों को भी हिन्दी में मान्यता दी गई है। 'क्लासिकल' को हिन्दी में 'क्लासिकी' और 'कोडिफायर' को 'कोडकार' लिखा जा सकता है।

बाहरी भाषा के शब्दों को लेकर अंग्रेजी का रुख लचीला रहा है । यही कारण है कि ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी हर साल जहाँ हिन्दी और अन्य भाषाओं के कई शब्दों को लेती रही है वहीं हिन्दी अब तक इस मामले में अपेक्षाकृत रूढ़िवादी रही है परन्तु इंटरनेट के दौर में अंग्रेजी के प्रचलित शब्द हिन्दी शब्दावली का अभिन्न अंग बनते जा रहे हैं। ऐसे में अंग्रेजी शब्दों को हिन्दी शब्दकोश के लिए वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग की ओर से मान्यता दे दी गई है । आयोग ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रचलित शब्दों को उनके प्रचलित अंग्रेजी रूप में ही अपनाना शुरू कर दिया है। आयोग ने अब तक 8.5 लाख तकनीकी शब्दों के हिन्दी पर्याय दिए हैं। कुछ तकनीकी शब्द ऐसे हैं जिनका हिन्दी पर्याय नहीं मिला ।

ऐसे में इन्हें अंग्रेजी में स्वीकार किया गया है । तत्व और यौगिक के नाम जैसे हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, कार्बन-डाई-आक्साइड के अलावा तौल और माप की ईकाइयाँ डाइन, कैलोरी, एम्पियर हैं । इनके अलावा ऐसे शब्द जो किसी व्यक्ति के नाम पर रखे गए हैं जैसे बायकॉट (कैप्टन बायकॉट), गैरीमेंडर (मिस्टर गैरी) फारेनहाइट तथा रेडियो, रडार, इलेक्ट्रान, प्रोटोन, न्यूट्रान, गणित के शब्द साइन, को-साइन, टेंजेंट, लॉग सिग्नल भी हिन्दी में यही रहेंगे । इसके अलावा आयोग ने बीस हजार शब्द संकलित किए हैं जिन्हें अखिल भारतीय शब्दावली के रूप में स्वीकार किया जाएगा ।

मेरा मानना है कि जिन अंग्रेजी के शब्दों का पर्याय हिन्दी में हैं तथा जो शब्द जनसाधारण की भाषा में प्रचलित हो गए हैं, उन्हें हिन्दी में लिखा जाना चाहिए । आजकल तकनीकी अनुवाद पर बहुत अधिक बल दिया जा रहा है । लेकिन तकनीकी अनुवाद से मूल भाव व्युत्पन्न नहीं किया जा सकता है । एक ऐसा ही वाकया महाराष्ट्र सरकार के सचिवालय में आया जब गूगल की सहायता से किए गए अनुवाद ने मूल परिपत्र का अर्थ ही बदल दिया । दरअसल 27 अगस्त 2016 को जारी एक पत्र को गूगल से ट्रान्सलेट किया गया था जिससे उसका अर्थ ही बदल गया था । महाराष्ट्र में अब सरकारी कामकाज के लिए गूगल का ट्रान्सलेशन टूल ''गूगल ट्रान्सलेट'' इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा, क्योकि महाराष्ट्र सरकार ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को इस टूल के इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। सरकार ने अधिसूचना जारी करके कहा है कि सरकारी कागज़ात का अन्य भाषा में अनुवाद करने के लिए गूगल ट्रान्सलेट को इस्तेमाल न किया जाए । सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने सरकारी संकल्प (गवर्नमेन्ट रिज़ोल्यूशन जीआर) जारी करते हुए सभी सरकारी विभागों को गूगल ट्रान्सलेट इस्तेमाल न करने को कहा है । इस निर्देश में लिखा है कि सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किए गए सर्कुलर और जीआर के लिए संबंधित व्यक्ति को ही जिम्मेदार माना जाएगा । इसमें यह भी कहा गया है कि सम्बन्धित व्यक्ति को सरकारी प्रलेखों का अनुवाद करते वक्त बेहद सावधान रहना चाहिए और सरकारी वेबसाइट पर प्रलेख अपलोड करने से पहले वरिष्ठ अधिकारियों से इसे चेक करवाना चाहिए ।

इस परिप्रेक्ष्य में यह विशेष तौर पर उल्लेखनीय है कि राजभाषा नियम 1976 के नियम 6 के अनुसार राजभाषा अधिनियम में उल्लिखित सभी कागज-पत्रों/ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्तियों का यह उत्तरदायित्व है कि वे यह सुनिश्चित कर लें कि जो दस्तावेज द्विभाषी जारी हों उसका मूल भाषा से दूसरी भाषा में किए गए अनुवाद में भावार्थ तो नहीं बदल गया है। गूगल ट्रान्सलेट टूल पूरी दुनिया में इस्तेमाल होता है लेकिन कई बार यह बड़े अजीब अनुवाद कर देता है । कई बार शब्दों का वह जैसे का तैसा अनुवाद कर देता है जिससे वाक्य का भाव ही बदल जाता है।

रचनाकारों और शब्द शिल्पियों के साथ-साथ आम भारतीय भी यह जानकर खुश होंगे कि आम लफ्जों को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में जगह मिल गई है । हमारी आम भाषा में इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द अरे यार, चूड़ीदार, भेलपुरी, ढाबा जैसे शब्द अब केवल भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त होने वाले शब्द नहीं रह गए हैं बल्कि अब इन्हें आक्सफोर्ड डिक्शनरी में भी जगह दी जाएगी । भले ही अपनी मिट्टी में हिन्दी की जड़ें कुछ कमज़ोर हो रही हों लेकिन सात समुन्दर पार हिन्दी का परचम लगातार बुलन्द हो रहा है । ऑक्सफोर्ड एडवांस्ड लर्नर्स डिक्शनरी के नौवें संस्करण में भारतीय अंग्रेजी से 240 से अधिक शब्दों को शामिल किया गया है । हम भारतीय 16 वर्ष की लम्बी अवधि में अब तक 240 शब्दों के साथ

यह घुसपैठ करने में कामयाब रहे हैं लेकिन गुंजाइश बहुत अधिक है । नौवें संस्करण में 900 से अधिक नए शब्द जोड़े गए हैं । उनमें से लगभग 20 प्रतिशत ऑनलाइन दुनिया से हैं ।

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अभी हाल में प्रकाशित 11वें संस्करण में हिन्दी के 80 शब्दों ने जगह ली है । इन शब्दों में *बिंदास, लहंगा, मसाला, बदमाश, हवाला, बंद, चमचा* शामिल हैं । आध्यात्म के क्षेत्र के चर्चित शब्द योग, कर्म, धर्म, निर्वाण, गुरू जैसे शब्द तो दो दशक पहले ही इंटरनेशनल मार्का हो चुके हैं । अब बात भेलपुरी, ढाबा जैसे शब्दों तक पहुँच चुकी है । इस तरह आक्सफोर्ड डिक्शनरी में हिन्दी के शब्दों का योग 700 तक पहुँच गया है । कुछ शब्द तो वाया आक्सफोर्ड वापस हिन्दी के देश में आकर अपनी नई स्वीकार्यता प्राप्त कर रहे हैं । जैसे योग शब्द '*योगा*' हुआ तो बंगला बन गया *'बंगलो'* और पायजामा शब्द *'पैजामा'* हो चुका है । अब ज़रा ऑक्सफोर्ड में इन शब्दों की व्याख्या देखिए

- **Chudidaar** :A "tight trousers made with excess material at the bottom of the legs, which falls in folds around the ankles, traditionally worn by people from South Asia"
- **Dhaba** : In India or in Indian contexts : a roadside food stall or restaurant.
- **Yaar** : it is defined as a noun to address a 'familiar form of address : friend, mate'.
- **Bhelpuri** : an Indian cookery : a dish or snack typically consisting of puffed rice, onions, potatoes, spicy aqnd sweet chutneys, sometimes served on a puri'.

हिन्दी के दो शब्द 'चटनी' और 'पूड़ी' प्रवासी भारतीयों में वहाँ घुल-मिल गए हैं । आपको शायद ही अजूबा लगे जब किसी विदेशी दोस्त से आप यह सुनें - 1) 'अरे यार, लेट्स गो टू ढाबा' 2) आई वांट टू ईट सम भेलपूरी'

हमारे यहाँ इंग्लिश शब्दों के हिन्दी रूपांतरण हिंग्लिश के रूप में बड़े आराम से 'यूज़' किए जाते हैं । अब देखिए न, हमने भी उक्त शब्द में 'यूज़' लिख दिया । ओह-ओह, अब 'लाइन' भी लिख दिया । मतलब ये शब्द हमारे हैं । ठीक उतने ही, जितने अंग्रेजों के। अंग्रेजी भी कम नहीं हैं - 'अरे यार,'चूड़ीदार','ढाबा','भेलपूरी' उन्होंने हमसे ले लिए और खूब बोलते भी हैं । बहुत कम लोगों को पता है कि जो शब्द वे दिन-रात अंग्रेजी ज़ुबान में बोलते हैं, वे वस्तुत: संस्कृत से लिए गए हैं । उदाहरण के लिए 'कर्मा','लूट','बंधन' इत्यादि शब्दों का अंग्रेजी में इस्तेमाल बहुतायत में किया जाता है ।

भारत-भर में कई वेरिएंट हैं । अब पापड़ को ही ले लीजिए । तेलुगु में 'अप्पादम' और कन्नड़ में 'हप्पला' कहा जाता है, जबकि केरल में इसके लिए 'पपादम' का प्रयोग किया जाता है जबकि तमिल भाषा में इसे 'अप्पलम' कहते हैं । 'पापड़' शब्द देश के अन्य भागों में आम है । इसी कारण अब 'पापड़' शब्द न केवल सभी भारतीय भाषाओं में स्वीकार्य है, अपितु विदेशी भाषाओं में भी यह रच-बस गया है ।

एक तरफ विदेशों में भारतीय भाषाओं के शब्द अपना परचम लहरा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर अंग्रेजी भी दबे पाँव हिंग्लिश का रूप लेकर आम भारतीय भाषाओं में अपनी पकड़ को धीरे-धीरे मजबूत कर रही

है । इसी तरह हिन्दी भाषा में भी कुछ नए शब्द गढ़े जा रहे हैं । कुछ शब्दों को नई पीढ़ी ने गढ़ा तो कई फिल्मी दुनिया के माध्यम से आम बोलचाल की भाषा में धीरे-धीरे रम गए हैं । उदाहरण के लिए अड्डा(Adda) झल्ला(Jhalla), वेला/वेली(Vella/Velli), घंटा(Ghanta), फालतू(Faltu), बिंदास(Bindaas), फोकट(Phokat), ठरकी(Tharki), फुकरा(Fukra) ।

अंग्रेजीदा लोग इन शब्दों को बड़े जोश के साथ अपनी अंग्रेजी में प्रयोग भी कर रहे हैं । जानकारों का मानना है कि अंग्रेजी अब आगे का रास्ता अख्तियार करने के लिए दूसरी भाषाओं पर निर्भर हैं । इसमें हिन्दी और दूसरी भारतीय भाषाएं सबसे अधिक मददगार है । फिर जैसे-तैसे 'ग्रेट इण्डियन मिडिल क्लास' लंदन न्यूयार्क की गलियों में अपनी धमक बढ़ा रहा है हिन्दी का कद भी बढ़ता जा रहा है, तो इसके एकदम उलट यह भी सत्य है कि अंग्रेजी में बोलचाल करने वालों का तीसरा सबसे बड़ा समूह भारत में निवास करता है।

ऑक्सफोर्ड में शामिल हिन्दी शब्दों का आँकड़ा तो मिल गया, लेकिन आम भारतीय बोलचाल में रोज़ाना अंग्रेज़ी के कितने शब्द शामिल हो रहे हैं - इसका हिसाब रखने वाला कोई नहीं है।

नदी कुछ सोच रही है.....

माधुरी अ. डांगरे
उ.श्रे.लि. का.मु.वि.नि. नागपुर

उछलती कुदती नदी कुछ सोच रही है
अन्तर्मन का दर्पण वह खोल रही है ।

दिखने में निर्मल, शांत पर मन में हलचल है उसके,
कई पत्थरों से गुजरती मानो कितने दर्द सह रही है,
सबको दिखती है दृढ-निश्चयी पर अंदर से वह सहमी-सहमी है,
अपने आसूंओ को बहाके सागर में मिला रही है,
खूद को संयमित कर वह आगे बढ रही है,
उछलती कुदती नदी कुछ सोच रही है

कुछ उलझी है उलझनों में, जैसे मानव भी उलझता है,
सब कुछ मन में रखकर वो सुलझी-सुलझी लगती है,
सारे प्रश्नों के साये में भी अपना गंतव्य तलाशती है,
अविरत, अखंड बहकर सब कुछ सागर को समर्पित करती है,
उसमे मिलकर मिट जाती है वहां ना उसकी कोई पहचान है,
फिर भी वह कडी है इस सृष्टी की, सागर बनना ही उसकी शान है,
उछलती कुदती नदी कुछ सोच रही है
अन्तर्मन का दर्पण वह खोल रही है ।

“नोटो की फोटो”

शीतल तेलंग,
उच्च श्रेणी लिपिक,
नागपुर

दिन में कई दफा हमारे हाथ में नोट आते रहते हैं, लेकिन शायद ही कभी यह जानने की कोशिश की हो कि इन मुद्राओं के पीछे जो तस्वीरें छपी हैं वे कहां की हैं ।

1. ₹.10 :-

₹10 केनोट पर कोणार्क के सूर्य मंदिर मी तस्वीर है। यह मंदिर गंग वंश के राजा नरसिम्हा देव प्रथम ने इसे करीब 1278 ईस्वी में बनवाया था। युनेस्को की विश्व विरासत स्थल सूची में शामिल।

2.₹.20 :-

₹ 20 के नोट परमाउंट है रियट राष्ट्रीय उद्यान है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित माउंट हैरियट दक्षिणी अंडमान का सबसे उंची (365 मीटर) चोटी है। तस्वीर में दिखाई देने वाला लाइट हाउस नार्थ वे आईलैंड पर मौजूद है।

3.₹ 50:-

₹ 50 के नोट में कर्नाटक के हम्पी में स्थित रथ का चित्र है।यह नगर प्राचीन विजय नगर साम्राज्य की राजधानी था । यह भी विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल है ।

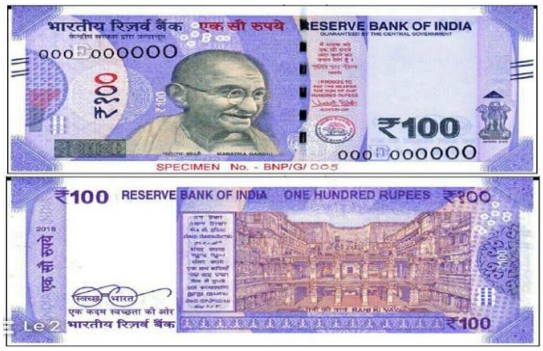

4.₹100:-

₹ 100 के नए नोट गुजरात की रानी की वावका चित्र लिए हैं। पाटण में स्थित इसवाव (बावड़ी) को 2014 में विश्व विरासत स्थल सूची में शामिल किया गया। इसका निर्माण राजा भीमदेव की पत्नी रानी उदयमती ने 11 वीं शताब्दी में करवाया था ।

5.₹200:-

₹ 200 के नोट पर सांची स्तूप है। बौध्द धर्म के इस स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक ने करवाया था। ये बौध्द स्मारक तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर बारहवीं शताब्दी के बीच है ।

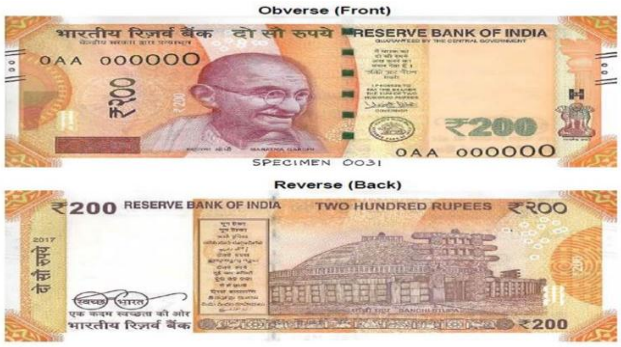

6.₹ 500:-

₹ 500 के नोट लाल किले का गर्वधारण किए हैं। किले का निर्माण शाहजहां ने करवाया था। इसके निर्माण में प्रयुक्त लाल बलुआ पत्थर के कारण इसका नाम लाल किला पड़ा। यह भव्य किला भी विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

2. ₹रू. 2000:-

₹ 2000 का नोट मंगलयान की सफलता का सूचक है। यह भारत का प्रथम मंगल अभियान है । पहली ही बार में मंगल की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश करने वाला भारत विश्व का प्रथम देश है ।

“मानवीय दर्शनशास्त्र”

शीतल तेलंग,
अ.श्रे.लि., नागपुर

वे दोनों दुकानें अगल-बगल में थीं। दोनों दुकानों के मालिक सगे भाई थे। दोनों में बहुत स्नेह और प्रेम था। दोनों अपनी दुकानों पर राशन व किराने का सामान बेचते थे। दोनों दुकानों के भाव एवं कीमतें भी समान थी। दोनों दुकानदारों का उस नगर में काफी नाम था। एक बार मैंने देखा कि पहली दुकान में ग्राहक तो थे परंतु दूसरी दुकान की तुलना में काफी कम थे। दूसरी दुकान बड़े भाई की थी जिसमें ग्राहक अधिक थे। एक दिन जब पहली दुकान में ग्राहक न के बराबर थे तो मैंने जाकर छोटे भाई से पूछा, ‘भाई साहब, एक बात पूछूं ?’दुकानदारबोला‘हां पूछिए’।

मैंने कहा, ‘आप और बगल वाली दुकान के मालिक सगे भाई हो, दोनों एक ही तरह का व्यापार कर रहे हैं, माल तथा दाम भी समान हैं फिर क्या बात है कि आपके पास ग्राहकों का अभाव है जबकि आपके बड़े भाई की दूकान में हमेशा ग्राहकों की भीड़ रहती है ?’

दुकानदार ने हंसते हुए कहा, ‘भाई जी, ये सही है कि हम दोनों सगे भाई हैं तथा एक-सा व्यापार भी कह रहे हैं पर किस्मत एवं भाग्य तो अलग-अलग हैं। अब किस्मत से कौन लड़ सकता है।’

मैंने मुस्कराते हुए कहा, ‘हां ये बात है’ और दुकान से बाहर निकल आया। परंतु मेरे मन में कशमकश चल रही थी कि एक दुकान में अधिक एवं दूसरी में कम ग्राहक क्यों हैं ?मैंने कुछ दिनों तक दोनों दुकानों का निरीक्षण किया। मालूम पड़ा कि छोटा भाई ग्राहक द्वारा जितना मांगा जाता उससे अधिक मात्रा में सामान तराजू पर रखकर तौलता व अधिक मात्रा होने पर सामान निकालकर तौल पूरा करता। वहीं बड़ा भाई ग्राहक द्वारा जितना सामान मांगा जाता उससे कम मात्रा में सामान तराजू पर रखकर तौलता तथा कम मात्रा होने पर और सामान डालकर तौल बराबर करता।

तात्पर्य यह है कि ये इंसान की फितरत होती है कि एक बार कोई चीज उसे मिल जाए तो पुन: उसमें से वापस लेने पर उसके मन में पीड़ा होती है, जबकि और अधिक देने पर खुशी होती है। तराजू में रखी वस्तु ग्राहक को अपनी महसूस होने लगती है इसलिए उसमें से वापस निकालना उसे पीड़ा पहुंचाता है। वही वस्तु की मात्रा बढ़ाने पर उसे खुशी महसूस होती है।

लालच और जरूरत

डॉ. जीवरथीनम डी., उप विस्फोटक नियंत्रक

यह देखा गया है कि जहां जरूरत है वहां हमेशा ही लालच होता है और यह भी देखा गया है कि यह बहुत तेजी से बढता है।

जब हमारी जिम्मेदारी हमारा परिवार होता है तो हमारे सारे कार्य बडी सावधानी से करने होते है। हमें यह ध्यान देना होता है कि हमें लालाच का सामना करना पड सकता है क्योंकि यह एक मायाजाल है जिससे हमें बचना है क्योकि यह हमेंशा ही हमें आगे बढने के लिए लालची बना देता है। हमारी, और अधिक पाने की इच्छा हमेशा ही बढती जाती है क्योंकि धन, शक्ति और लालच हमेशा से ही एक दूसरे से जुडे है।

जीवन एक अंतहीन लालच का चक्र है, अधिक पाने की होड में सभी हमेशा लगे रहते है, पता नही क्यों... मैं हमेशा यह सोचता हूं कि किस संवेदनाविहीन पीढी को हमने जन्म दिया हैं....

मुझे यह जानना है...कोई मुझे बताएं कि...कि यह बीज किसने बोएं....जानबूझकर हमें भ्रमित करने के लिए.. बताएं जरा...

हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है: कमलापति त्रिपाठी

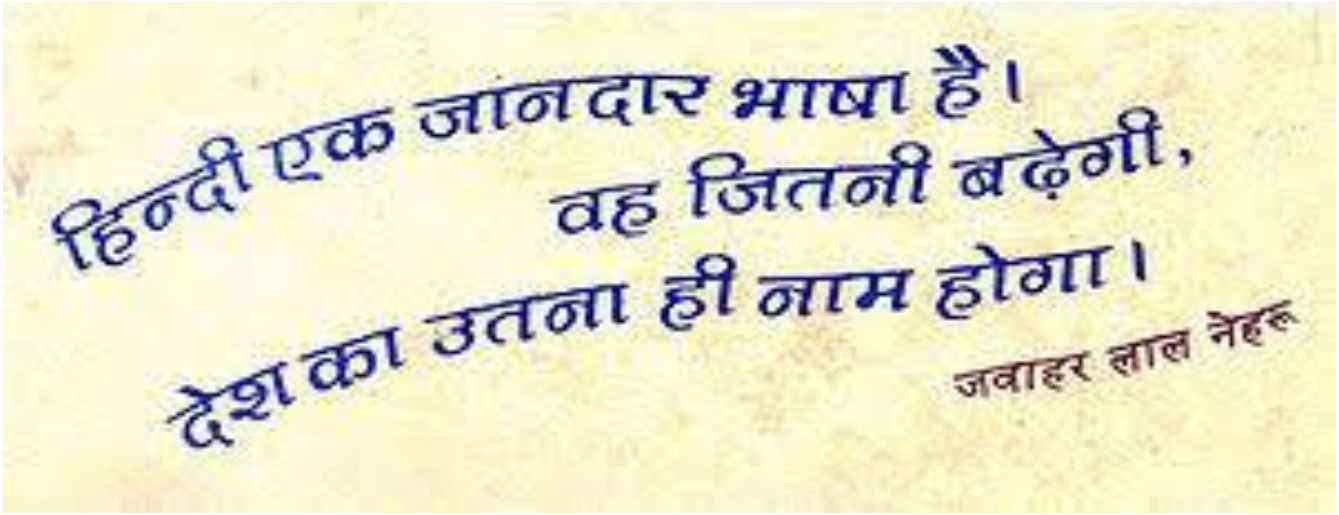

नन्हे फरिश्ते

सोहम महेन्द्र सायरे
पुत्र **श्री महेन्द्र सायरे**, आशुलिपिक II,
का.मु.वि.नि., नागपुर

हम नन्हे मुन्ने फरिश्ते,
सपने हमारे आसमां को चुमते।
दिनभर रहते मस्ती मे घूमते,
सारे जहॉ में खुशियॉ बिखेरते।

खेलकूद में रहते सदैव मगन,
हमसे ही है खुशहाल सारा चमन।
छूता ना हमको कोई शिकवा ना गम,
ऐसा हमारा है प्यारभरा बचपन।

दादा-दादी के हम है राज दुलारे,
जो हमारे शैतानी पर पर्दा डालते।
दीदी- भैया हमे कुछ नया सिखाते,
पापा हमारे रोज टॉफियां लाते।
रोज नया-नया खाने के लिए मम्मी को नचाते
थकी-हारी मम्मी बिचारी हमारी मांगे खुशी से पूरी करती।

सारे जहॉ को अपना समझते,
चॉद सितारे मुठ्ठी में भरना चाहते।
छल, कपट या दुष्मनी नही हम जानते,
इसलिए हम सबका प्यार पाते।

ऐसी हमारी छोटीसी दुनिया,
ना कोई छिने हमारी खुशियॉ।
सारे जहॉ को हम है लुभाते,
इसलिए है फरिश्ते कहलाते।

दुष्यन्त कुमार -कविता

(संकलित)
द्वारा गगन अग्रवाल,
उप विस्फोटक नियंत्रक, गुवाहाटी

हो गई है पीर पर्वतसी पिघलनी चाहिए,

इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।

आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी,

शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए।

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,

मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।

मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,

हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

हट गई धारा 370

-गौतम कुमार, अ.श्रे.लि., नागपुर

धारा 370 हटते ही मच गई खलबली,
पड़ोसी देश को है हड़बडी,
नजर आ रही है बौखलाहट
क्योंकि हट गई धारा 370

दे डाली धमकियां
वो भी परमाणु बम की,
जो बोला ना सोचा ना समझा,
कि एक अखण्ड़ देश हुआ हिंदुस्तान,
क्योंकि हट गई धारा 370

जो घायल कश्मीर कई सालों से रहा,
जो वादियो में बारुद की दुर्गन्ध रही,
अब होगा पूरी तरह स्वच्छ भारत अभियान,
क्योंकि हट गई धारा 370

कश्मीर से कन्या कुमारी हुआ एक,
दोहरी नागरिकता हुई समाप्त,
अब संपूर्ण भारत हुआ एक
क्योंकि हट गई धारा 370

पत्थरबाज अब आयेंगे बाज,
सेना को मिली है छूट,
पूरे भारत में हुआ कानून एक,
क्योंकि हट गई धारा 370

लाल चौक पर लहरायेंगा तिंरगा,
कश्मीर से कन्याकुमारी हुआ संविधान एक
अब होगा विकास का दौर,
क्योंकि हट गई धारा 370

एक बार नहीं हर बार कहेंगें कश्मीर हमारा है..
कश्मीर हमारा है, क्योंकि हट गई धारा 370

तबादला

-गौतम कुमार, अ.लि.श्रे., नागपुर

हर कार्यालय में होता है तबादला,
कुछ का जल्दी कुछ का देरी ।
रह रहे है घर से दूर, अपने मन को रोक कर,
उसी उम्मींदे के साथ कभी न कभी
होगा अपना तबादला।
रह लेते हैं परेशानियों के साथ,
लोग कहते है हम मुसकुराते बहुत है,
और हम थक गये दर्द छुपाते।
हम वह है जो रो कर दिखाते नहीं,
घड़ियाली आँसु हम बहाते नहीं ।
जी लेते हैं अपनी जिंदगी
क्योंकि अपना वक्त आयेगा ।
हर घर में होता हैं इंतजार माँ को,
कि घर कब आओगे बेटे,
घर कब आओगे..... तबादले के साथ ।।

पेसो परिवार की उपलब्धियां

	कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर में लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री राजेश सहारे के सुपुत्र मास्टर ईशान सहारे और मास्टर आर्यन सहारे ने वर्ष 2019 में आयोजित कक्षा 10वी कक्षा की परीक्षा में क्रमशः 92% और 74% प्राप्त कर पेसो परिवार को गौरवन्वित किया ।
	कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर में सहायक के पद पर कार्यरत श्री बी.एम. धार्मीक के सुपुत्र मास्टर लाभेश धार्मीक ने वर्ष 2019 में आयोजित कक्षा 10वी कक्षा की परीक्षा में 74% प्राप्त कर पेसो परिवार को गौरवन्वित किया
	कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर में सहायक के पद पर कार्यरत श्रीमती आरती भावे की सुपुत्री कु. अनुष्का निखिल भावे ने वर्ष 2019 में आयोजित कक्षा 12वी की परीक्षा में 66% प्राप्त किए तथा उनकी सुपुत्री कु. अनन्या निखिल भावे ने महाराष्ट्र राज्यपरीक्षा परिषदकेपूर्व माध्यमिक छात्रवृत्ति परीक्षा में 7वां स्थान प्राप्तकर पेसो परिवार को गौरवन्वित किया ।
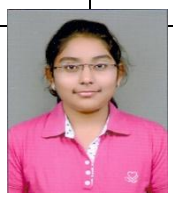	कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर में वरिष्ठ श्रेणी लिपिक पद पर कार्यरत श्रीमती मंजुषा कामडी की सुपुत्री कु. पुनर्वा जयप्रकाश कामडी ने वर्ष 2019 में आयोजित कक्षा 12 वी की परीक्षा में 75 % प्राप्त कर पेसो परिवार को गौरवन्वित किया ।
	कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर में वरिष्ठ श्रेणी लिपिक पद पर कार्यरत श्री प्रशांत मानेकर की सुपुत्री कु. मानसी मानेकर ने वर्ष 2019 में आयोजित कक्षा 12 वी की परीक्षा में 70% प्राप्त कर पेसो परिवार को गौरवन्वित किया।
	कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर में वरिष्ठ श्रेणी लिपिक पद पर कार्यरत श्रीमती मनिषा चहांदे की सुपुत्री कु. प्रशिका मनोज चहांदे ने वर्ष 2019 में आयोजित दंत चिकित्सा परीक्षा में 64% प्राप्त कर पेसो परिवार को गौरवन्वित किया।
	कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर में वरिष्ठ श्रेणी लिपिक पद पर कार्यरत श्री डब्ल्यू.आर. नागपुरे के सुपुत्र मास्टर अवनिश नागपुरे ने वर्ष 2019 में आयोजित कक्षा 10 वी की परीक्षा में 61% प्राप्त कर पेसो परिवार को गौरवन्वित किया।

पेसो परिवार की ओर से सभी छात्रों को उनकी सफलता के लिए हार्दिक बधाइयां।

हिन्दी पखवाडा 2019 के अंतर्गत मुख्यालय में आयोजित हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में प्रथम

<u>कल आज और कल</u>

शुभम कुमार गुप्ता,
लेखापाल, नागपुर

"भारत माता के सिर की बिंदी,
हमारी राष्ट्रभाषा / राजभाषा हिंदी"

हिंदी विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है। आज से 800 वर्ष पूर्व जब अंग्रेजी भाषा अस्तित्व में भी नही आयी थी कि तब हिंदी भाषा अपने 'वीर-गाथा' के स्वर्णमय इतिहास से 'भक्ति - गीत' के दौर में प्रवेश कर चुकी थी। पृथ्वीराज रासो, पद्मावत आदि जैसे ग्रंथो की रचना की जा चुकी थी।

हिंदी अपनी सरलता व सुगमता के लिए हमेशा से ही जनमत को भाई है,और लोगो ने इसे अपने दिल से अपनाया है । अन्य भाषाओं जैसे संस्कृत, पाली फारसी व ऊर्दू की तरह इसे कभी सिंहासन तो प्राप्त नहीं हुआ, इसके बाबजूद हिंदी ने अपने अब अस्तित्व को बनाए रखा है ।

अंग्रेजी के शासन के दौरान अंग्रेजी भाषा को हमारे ऊपर थोपा गया, ना सिर्फ अंग्रेजी भाषा को बल्कि अंग्रेजी मानसिकता को भी। लोर्ड मैकले व्दारा अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू करके हमें ना सिर्फ राजनीति व आर्थिक अपितु सामाजिक व सांस्कृतिक रूप से भी गुलाम बनाने की कोशिश की गयी ।

इसी समय हिंदी हमारे बचाव में आयी चाहे व राजा राममोहन राय द्वारा प्रकाशित पहली हिंदी पत्रिका हो, या गंधीजी व्दारा अफ्रीका से लौटने के बाद दिया जाने वाला पहला भाषण हो या फिर सुभाष चन्द्र बोस का " तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा" का नारा हो। हिंदी हर दिशा में एकता व स्वतंत्रता की भाषा बनकर गूंजी और आखिकार 15 अगस्त 1947 को हमारा देश अंग्रेजो के चंगुल से मुक्त हो गया ।

चूँकी हमारी संविधान व शासन प्रणाली काफी हद तक अंग्रेजी शासन प्रणाली से प्रभावित थी, साथ ही हमारी संविधान सभा में विदेशों से पढकर आने वाले वकीलों की भरमार थी, अतः अंग्रेजी की हिंदी पर प्राथमिकता मिली । फिर भी कुछ हिंदी प्रेमियों व राष्ट्रभक्तो की दूरगामी सोच से 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा मिल गया। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि अंग्रेजी भी अगले 15 सालो तक सहभाषा के रूप में रहेगी।

संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा से संबधित है, जिसके अनुसार हिंदी को राजभाषा के रूप में घोषित किया गया है एवं लिपि देवनागरी। सरकार भी अपने ओर से हिंदी को बढ़ावा देने की पूरी कोशिश करेगी।

14 सितंबर, 1949 को सरकार की मंशा थी कि आगे आने वाले 15 वर्षों में हिंदी, अंग्रेजी को पूर्ण रूप से राजभाषा के रूप में स्थानांतरित कर देगी। पर आज तो हम कुछ ओर ही देखते है। आजादी के 70 सालो बाद हिन्दी की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। इसके प्रमुख कारण निम्न है:-

i. प्रबुध्द वर्गों व्दारा अंग्रेजी को बढ़ावा देना ।
ii. अंग्रेजी का रोजगार की भाषा के रूप में स्थापित होना
iii. आम नागरिकों की विदेशो में बसने की चाहत

इन सभी कारणों पर हमें गौर करने की जरूरता है जिससे कि हम हिंदी की स्थिति को बेहतर कर सके ।यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चूका है, कि यदि बच्चो की प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में हो तो वह चीजों को शीघ्र व आसानी से समझ पाता है और अपने विषयों में अच्छा कर पाता है। हर दृष्टि से इतिहास और समाज के मार्मिक जानकार रामप्रसाद लोहिया का विचार अत्यन्त महत्वपूर्ण है - कि अंग्रेजी का पूर्ण रूप से लोप करना।

यहा पर उन्होंने उस बुजुर्ग मानसिकता का खंडन किया है कि आप हिंदी का विकास करे, अंग्रेजी को अपने हाल पर छोड़ दे । हम जानते हैं कि अंग्रेजी की उपस्थिति में हिंदी व कोई भी स्थानीय भाषा नही पनप सकती हैं बाल्कि, अंग्रेजी अपनी प्रकृति के अनुसार, हिंदी व अन्य भाषाओं को आपस में लड़वार अपना वर्चस्व कायम रखेगी।हम जानते है कि आगे आने वाला युग सूचना प्रौद्योगिकी व तकनीकी का दौर है। अतः हमें चाहिए कि इंटरनेट, फैसबुक, वाट्सअप आदि पर हिंदी अधिक से अधिक हो । सॉफ्टवेयर ऑपरेटिंग सिस्टम, की बोर्ड आदि सभी हिंदी में भी उपलब्ध हो ताकि हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा मिले।

विश्व की सभी भाषाओं में से हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसमें पिछले कल व आगे आने वाले कल के लिए एक ही शब्द है। इसका मतलब इतिहास अपने आप को दोहराता है। जो कल घटित हो चुका हैं, वह कल फिर घटित होगा । तथा हिंदी अपने स्वर्णिम इतिहास को फिर से दोहराहगी और विश्व पटल पर अपनी छाप छोड़ेगी तथा हिंदी सिनेमा व साहित्य के माध्यम से इस दौर की शुरुआत भी हो चुकी है।

अंत में मेरी यही प्रार्थना है कि -

हिंदी में ही पत्राचार, हिंदी में ही हो व्यवहार

बोलचाल की भाषा का भी, हिंदी ही हो आधार

जय हिंद

प्रसिद्ध अंग्रेजी लोकोक्तियाँ का हिन्दी अनुवाद

A burnt child dreads the fire	दूध का जला छाछ भी फूँक-फूँक कर पीता है
A bad workman quarrels with his tools	नाच न जाने आँगन टेढ़ा
A drowning man will catch at a straw	डूबते को तिनके का सहारा
A little knowledge is a dangerous thing	नीम हकीम खतरे जान
A nod to the wise and a rod to the foolish	चतुर को इशारा, मूर्ख की पिटाई
A blind man is no judge of colours	बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद
A wise foe is better than a foolish friend	मूर्ख मित्र से चतुर शत्रु अच्छा
A friend in need is a friend indeed	समय पर काम आने वाला दोस्त ही सच्चा दोस्त है
All's well that ends well	अन्त भला तो सब भला
Adversity is the touchstone of friendship	विपत्ति मित्रता की कसौटी है
An empty mind is a devil's workshop	खाली दिमाग शैतान का घर
An old dog learns no new tricks	बूढ़े तोते कुरान नहीं पढ़ते
An empty vessel makes much noise	थोथा चना बाजे घना
As you sow, so shall you reap	जैसी करनी वैसी भरनी
Barking dogs seldom bite	गरजते हैं सो बरसते नहीं
Birds of the same feather flock together	चोर-चोर मौसेरे भाई
Deep rivers move in silent majesty, shallow brooks are noisy	अधजल गगरी छलकत जाय, भरी गगरिया चुप्पे जाय
Diamond cuts diamond	लोहे को लोहा काटता है
Distance lends enchantment to the view–	दूर के ढोल सुहावने
Do good and forget	नेकी कर दरिया में डाल
Even walls have ears	दीवारों के भी कान होते हैं
Every sable cloud has a silver lining	अँधेरे में भी आशा की किरण होती
Everybody's business is nobody's business	साझे की हँड़िया चौराहे पर फूटती है.
From a bad paymaster get what you can–	भागते भूत की लँगोटी भली
Give an inch and he will take an ell–	उँगली पकड़ के कहुँचा पकड़ना
God's mill grinds slow but sure–	भगवान के घर देर है, अन्धेर नहीं
Half a loaf is better than no bread–	घी न खाया कुप्पा ही बजाया
Haste makes waste	जल्दी का काम शैतान का
Heads I win, tails you lose	चित्त भी मेरी पट्ट भी मेरी
His bread is buttered on both sides–	पाँचों उँगलियाँ घी में
Hope lasts with life	जब तक साँस तब तक आस
It is no use casting pearls before swine	भैंस के आगे बीन बजाना

It is no use crying over spilt milk	अब पछताये होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत
It takes two to make a quarrel	एक हाथ से ताली नहीं बजती0.
Many hands make the burden light–	सात-पाँच की लाकड़ी एक जने का बोझ
Might is right–	जिसकी लाठी उसकी भैंस
Necessity is the mother of invention–	आवश्यकता आविष्कारों की जननी है
Necessity knows no law–	आपत्ति काले मर्यादा नास्ति
Out of the frying pan into the fire–	चूल्हे से निकले भाड़ में गिरे
Penny wise and pound foolish–	मोहरों की लूट, कोयलों पर छाप
Practice makes a man perfect–	काम सब सिखा देता है
Pride goes before a fall–	घमंडी का सिर नीचा
Prosperity finds friends; adversity tries them–	समृद्धि में पाओ, विपत्ति में परखो
Rome was not built in a day–	हथेली पर सरसों नहीं जमती
Save life save all–	जान बची और लाखों पाये
See which way the wind blows–	ऊँट किस करवट बैठता है
Self-praise is no recommendation–	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू
Strike while the iron is hot–	मौका न चूकना चाहिये
The nearer the church the farther from God–	दिये तले अँधेरा
The cowl does not make a monk–	गेरुए कपड़ों से कोई साधू नहीं होता
There is no rose without a thorn–	जहाँ फूल तँह काँटा
There are men and men–	पाँचों उँगली बराबर नहीं होतीं
The wearer knows where the shoe pinches–	जिसका दु:ख वही जाने
Those who live in glass houses should not throw stones–	काँच के घर में रहने वालों को पत्थर नहीं फेंकने चाहिये
Time is a great healer–	समय सब दु:ख भुला देता है
Time and tide wait for nobody–	अवसर और समय किसी का इन्तजार नहीं करते
To kill two birds with one stone–	एक पंथ दो काज
To have an old head on young shoulders–	पेट में दाड़ी
To swallow the whole ox and be choked with the tail–	गुड़ खाय, गुलगुलों से परहेज
Too many cooks spoil the broth–	अनेक हकीम रोगी की मौत
Welcome or not, I am still your guest–	मान न मान मैंत तेरा मेहमान
Where there is a will there is a way–	जहाँ चाह, वहाँ राह
While in Rome, do as the Romans do–	जैसा देश वैसा भेष

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2019-20 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1. क क्षेत्र से क क्षेत्र को **100%** 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को **100%** 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को **65%** **4.** क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/ व्यक्ति **100%**	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को **90%** 2 ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को **90%** 3 ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को **55%** **4.**ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति **90%**	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को **55%** 2 ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को **55%** 3 ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को **55%** **4.** ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति **55%**
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	**100%**	**100%**	**100%**
3.	हिंदी में टिप्पण	**75%**	**50%**	**30%**
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	**70%**	**60%**	**30%**
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	**80%**	**70%**	**40%**
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	**65%**	**55%**	**30%**
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	**100%**	**100%**	**100%**
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	**100%**	**100%**	**100%**
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/ डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय।	**50%**	**50%**	**50%**
10.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद ।	**100%**	**100%**	**100%**
11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	**100%**	**100%**	**100%**
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	**100%**	**100%**	**100%**

13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	**25%**(न्यूनतम)	**25%**(न्यूनतम)	**25%**(न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	**25%** (न्यूनतम)	**25%** (न्यूनतम)	**25%** (न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण		वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण	
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें			
	(क) हिंदी सलाहकार समिति		वर्ष में 2 बैठकें	
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक)	
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)	
15.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	**100%**		

सं.12019/03/2016-रा.भा.(शिका.)/विविध-2

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राजभाषा विभाग

एनडीसीसी-|| भवन, बी. विंग, चौथा तल

जयसिंह रोड, नई दिल्ली-110001

दिनांक 18 मई, 2016

कार्यालय ज्ञापन

विषय: समाचार पत्रों में विज्ञापन दिए जाने के संबंध में |

भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/ विभागों/ कार्यालयों से यह अपेक्षा है कि वे राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों/ अनुदेशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराएं| शिकायत अनुभाग में प्राप्त होने वाली शिकायतों के विश्लेषण से यह स्थिति सामने आई है कि अधिकांश मामले हिंदी समाचार पत्रों में अंग्रेजी में विज्ञापन दिए जाने से संबंधित हैं|

राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिनांक 22.07.2014 के परिपत्र सं. 12019/35/2013-रा.भा.(शिका.) के अनुसार हिंदी के समाचार पत्रों में हिंदी में ही विज्ञापन दिए जाने चाहिए न कि अंग्रेजी में| परन्तु यह देखने में आया है कि इस अपेक्षा की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है और हिंदी समाचार पत्रों में विज्ञापन अंग्रेजी में दिए जा रहे हैं| इस प्रकार राजभाषाई आदेशों की अवहेलना की जा रही है|

राजभाषाई आदेशों के प्रति अधिकारियों/ कर्मचारियों को सुग्राही बनाने की दृष्टि से यह आवश्यक है कि मंत्रालयों/ विभागों/ कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधान द्वारा ली जाने वाली राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों की कार्यसूची में इस बिन्दु को शामिल किया जाए और इस पर चर्चा की जाए एवं दृढ़तापूर्वक अनुपालन के निदेश भी दिए जाएं|

अत: पुन: सलाह दी जाती है कि हिंदी के समाचार पत्रों में हिंदी में ही विज्ञापन दिए जाएं तथा अंग्रेजी समाचार पत्रों में अंग्रेजी में विज्ञापन दिए जाएं| जब अंग्रेजी समाचार पत्रों में अंग्रेजी में विज्ञापन दिए जाते हैं तो विज्ञापन के अंत में यह अवश्य उल्लेख कर दिया जाए कि "अधिसूचना/ विज्ञापन/ रिक्ति संबंधी परिपत्र" का हिंदी रूपांतर वेबसाइट पर उपलब्ध है| इस हेतु पूर्ण लिंक भी दी जाए|

संघ सरकार के सभी मंत्रालयों/ विभागों से अनुरोध है कि वे अपने सभी संबद्ध/ अधीनस्थ कार्यालयों/ उपक्रमों आदि को इस संबंध में अपनी तरफ से आवश्यक निदेश शीघ्र जारी करें|

(डॉ. बिपिन बिहारी)

संयुक्त सचिव (रा.भा.)

सेवा में,

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/ विभाग

सं0-11034/15/2015-रा.भा.(नीति)

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

(राजभाषा विभाग)

एन.डी.सी.सी.-।। बिल्डिंग, 'बी'विंग, चौथा तल,
जयसिंह रोड, नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर, 2015

कार्यालय ज्ञापन

विषय: हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली हिंदी प्रतियोगिताओं में अधिकारियो/ कार्मिको की सहभागिता ।

प्रति वर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा मनाएं जाने के संबंध में विभाग की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन सं. 1/14034/2/87-रा.भा.(क.1) दिनांक 21.4.1987 तथा दिनांक 23.9.1987 के अनुक्रम में हिंदी दिवस/ सप्ताह/ पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिकारियों/ कार्मिकों की सहभागिता के संबंध में निम्नलिखित दिशा-निर्देश जारी करने का निदेश हुआ है :

I. इन प्रतियोगिताओं में इसके आयोजनकर्त्ता/ हिंदी अनुभाग/प्रभाग तथा केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा कैडर के अधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़ कर अन्य सभी संवर्ग के नियमित अधिकारी/ कर्मचारी/ नियमित एम.टी.एस. भाग ले सकते हैं ।

II. जिन अधिकारी/कर्मचारी की तैनाती हिंदी आशुलिपिक/ टंकक के रूप में हुई है, वे हिंदी आशुलिपि/ टंकण प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते, तथापि अन्य प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं ।

2. यह आदेश इस कार्यालय ज्ञापन के जारी होने की तारीख से लागू होगा ।

3. इसे सचिव (रा.भा.) के अनुमोदन से जारी किया जाता है ।

(डा. श्रीप्रकाश शुक्ल)
संयुक्त निदेशक (नीति)
दूरभाष. 23438250

सेवा में,

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग/संबंद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों को आवश्यक कार्रवाई हेतु ।

प्रतिलिपि:

1. निदेशक (कार्यान्वयन/तकनीकी) राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को इस संबंध में जारी किए जाने वाले परिपत्र / कार्यालय ज्ञापन में उपर्युक्त दिशा-निर्देश को सम्मिलित करने के लिए ।

2. निदेशक (तकनीकी) एन.आई.सी., राजभाषा विभाग, नई दिल्ली से अनुरोध है कि इस कार्यालय ज्ञापन को राजभाषा विभाग की वेबसाईट पर अपलोड करवा दें ।

फा.सं.1 4011/01/2016-रा.भा.(नीति)

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

(राजभाषा विभाग)

एन.डी.सी.सी.-।। बिल्डिंग,'बी'विंग, चौथी मंजिल,

जयसिंह रोड, नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 2016

कार्यालय ज्ञापन

विषय: राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन सुनिश्चित करना ।

भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों तथा उनके संबंद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों, उपक्रमों आदि के लिए सांविधिक अपेक्षा है कि वे राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अन्तर्गत जारी होने वाले सभी कागजात द्विभाषी रूप हिन्दी और अंग्रेजी में साथ-साथ जारी करें । परन्तु देखने में आता है कि इस अपेक्षा की ओर बार-बार ध्यान दिलाये जाने पर भी उल्लिखित कागजात कई कार्यालयों द्वारा केवल अंग्रेजी में ही जारी किये जा रहे हैं । जबकि धारा 3(3) के अन्तर्गत संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचना, करार, प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन या प्रेस विज्ञाप्ति आदि द्विभाषी रूप में ही जारी किए जाएं ।

- केन्द्रीय सरकार के कार्यालय से क्षेत्र 'क' में किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र को या ऐसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में किसी कार्यालय (जो केंद्रीय सरकार का कार्यालय न हो) या व्यक्ति को पत्रादि असाधारण दशाओं को छोड़कर हिंदी में होंगे और यदि उनमें से किसी को कोई पत्रादि अंग्रेजी में भेजे जाते हैं तो उनके साथ उनका हिंदी अनुवाद भी भेजा जाएगा ।
- केन्द्रीय सरकार के कार्यालय से क्षेत्र 'ख' में किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र को या ऐसे राज्य या ऐसे राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में किसी कार्यालय (जो केंद्रीय सरकार का कार्यालय न हो) को पत्रादि मामूली तौर पर हिंदी में होंगे और यदि इनमें से किसी को पत्रादि अंग्रेजी में भेजे जाते हैं तो उनके साथ उनका हिंदी अनुवाद भी भेजा जाएगा । लेकिन किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में किसी व्यक्ति को पत्रादि हिंदी या अंग्रेजी में भेजे जा सकते हैं ।
- परन्तु यदि कोई ऐसा राज्य या संघ राज्य क्षेत्र यह चाहता है कि किसी विशिष्ट वर्ग या प्रवर्ग के पत्रादि या उसके किसी कार्यालय के लिए आशयित पत्रादि संबंध राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि तक अंग्रेजी या हिंदी में भेजे जाएं और उसके साथ दूसरी भाषा में उनका अनुवाद भी भेजा जाए तो ऐसे पत्रादि उसी रीति से भेजे जाएंगे ।

- केंद्रीय सरकार के कार्यालय से क्षेत्र 'ग' में किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र को या ऐसे राज्य में किसी कार्यालय (जो केंद्रीय सरकार का कार्यालय हो) या व्यक्ति को पत्रादि अंग्रेजी में होंगे ।

2. इसके साथ-साथ ही अपने मंत्रालय/विभाग के प्राप्ति एवं प्रेषण अनुभाग (आर एंड आई) में काम करने वाले सभी कर्मचारियों व अधिकारी को निर्देश दे सकते हैं कि धारा 3(3) के अनुपालन के संबंध में मंत्रालय/विभाग से जारी किए जाने वाले सभी पत्रादि द्विभाषी (हिन्दी/अंग्रेजी) में जारी किए जाएं ।

3. अत: सभी मंत्रालयों/विभागों आदि से अनुरोध है कि वे राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अन्तर्गत आने वाले सभी कागजात द्विभाषी रूप में एक साथ जारी करें और जारी कराते समय यह ध्यान रखा जाये कि हिन्दी रूपान्तर, अंग्रेजी के ऊपर रहे ।

पूनम जुनेजा
(पूनम जुनेजा)
संयुक्त सचिव (राजभाषा)

सचिव,
समस्त मंत्रालय/विभाग,
भारत सरकार

1. प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव को सूचनार्थ प्रेषित ।
2. मंत्रिमंडल सचिव को सूचनार्थ प्रेषित ।
3. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के संयुक्त सचिव (प्रशासन) को इस अनुरोध के साथ कि वे इस पत्र की प्रतियां अपने संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों/निगमों में परिचालित करें।
4. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के निदेशक/संयुक्त निदेशक/उप-निदेशक/सहायक निदेशक स्तर के मंत्रालय/विभाग में हिंदी इकाई के प्रभारी अधिकारी को इस अनुरोध के साथ कि वे इस पत्र की प्रतियां अपने मंत्रालय/विभाग में संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों/ निगमों में परिचालित करें ।
5. राष्ट्रपति सचिवालय, नई दिल्ली ।
6. उप राष्ट्रपति सचिवालय, नई दिल्ली ।
7. प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली ।
8. मंत्रिमंडल सचिवालय, नई दिल्ली ।
9. संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली ।
10. भारत का निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली।

कार्यालय में प्रायः प्रयोग होने वाली कुछ संक्षिप्त टिप्पणियां		
1.	स्वीकृत और अदायगी के लिए पास किया।	Accepted and passed for payment.
2.	कृपया / अनुमोदन / मंजूरी प्रदान करें।	Accord approval / sanction to.
3.	ऊपर 'क' के अनुसार कार्रवाई की जाए।	Action as at 'A' above.
4.	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए है।	Action may be taken as proposed.
5.	तदनुसारसूचित करें।	Advise accordingly.
6.	की गई कार्रवाई से अवगत कराए।	Advise the action taken.
7.	कार्यसूची साथ भेजा जा रही है।	Agenda is sent herewith.
8.	सर्वसम्बंधित नोट करें।	All concerned to note.
9.	अनुमोदन प्रदान किया जाए।	Approval may be accorded.
10.	यथाप्रस्तावित अनुमोदित।	Approved as proposed.
11.	वित्त शाखा की सहमति प्राप्त कर ली जाए।	Concurrence of Finance Branch may be obtained.
12.	तत्काल हवाले /सुलभ संदर्भ के लिए प्रतिलिपि संलग्न है।	Copy is enclosed for ready reference.
13.	देरी / विलम्ब के लिए खेद है।	Delay is regretted
14.	यथासंशोधित मसौदा/ प्रारूप प्रस्तुत है।	Draft as amended is put up.
15.	प्रारूप अनुमोदनार्थ प्रस्तुत (पेश) है।	Draft is put up for approval.
16.	शीघ्र उत्तर भेजने की प्रार्थना है।	Early reply is solicited.
17.	स्पष्टीकरण मॉगा जाए।	Explanation may be called for.
18.	ये कागज फाइल किए जाएं।	File these papers.
19.	अनुवर्ती कार्रवाई शीघ्र की जाए।	Follow up action should be taken soon.
20.	अगली सूचना की प्रतीक्षा की जाए/करें।	Further advice may be awaited.
21.	इस काम को परम अग्रता दी जाए।	Give top priority to this work.
22.	कृपया पावती भेजें।	Kindly acknowledge receipt.
23.	कृपया शोघ निबटारा कर।	Kindly expedite disposal.
24.	न्यूनतम दरें स्वीकार कर ली जाएं।	Lowest quotations may be accepted.
25.	को भेज दिया जाए।	May be forwarded to
26.	.. को तदनुसार सूचित किया जाए।	May be informed accordingly.
27.	भुगतान के लिए पास किया जाए/ करें।	May be passed for payment.
28.	अनुमति दे दी जाए।	May be permitted.
29.	मंजूर किया जाए।	May be sanctioned.
30.	का ध्यान रखा जाए/ का हिसाब लगा लिया जाए।	May be taken into account.
31.	आवश्यक कार्रवाई प्रतीकक्षित / की प्रतीक्षा है।	Necessary action awaited
32.	आवश्यक कार्रवाईकिया जाए।	Necessary action may be taken.
33.	अपेक्षित रिपोर्ट की अभी तक प्रतीक्षा है।	Necessary report is still awaited.
34.	. . . . में संशोधन की आवश्यकता है।	Needs amendment.
35.	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं।	Needs no comments.
36.	आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है।	No further action is necessary.

37.	उत्तर भेजने की आवश्यकता नहीं है।	No need to senda reply.
38.	मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है।	No progress has been made in the matter.
39.	इस तरह का कोई अभ्यावेदन नहीं मिला है।	No such representation has been received.
40.	कृपया प्राप्ति की सूचना दें।	Please acknowledge receipt.
41.	कृपया . . . . के समक्ष स्वयं उपस्थित होइए।	Please appear in person before . . . .
42.	कृपया शीघ्र अनुपालन कीजिए।	Please expedite compliance.
43.	कृपया बैठक की तारीख और समय नियत करें।	Please fix the date and time for the meeting.
44.	कृपया . . . . . को तदनुसार सूचित कर दें।	Please inform . . . . . accordingly. .
45.	कृपया जांच करके रिपोर्ट दें।	Please investigate and report.
46.	कृपया उत्तर का मसौदा पेश/प्रस्तुत करें।	Please put up draft reply . . .
47.	कृपया लौटती डाक से उत्तर देकर अनुगृहीत करें।	Please reply by return post and oblige.
48.	कृपया बताएं कि क्या आप जांच समिति के निष्कर्षों से सहमत हैं।	Please say if you agree with the findings of the enquiry.
49.	कृपया पिछला पृष्ठ देखें।	Please see overleaf.
50.	कृपया पिछली टिप्पणियां देख लें।	Please see preceding notes.
51.	कृपया कागज प्रस्तुत / पेश करें।	Please submit papers without further delay.
52.	कृपया अपना उत्तर . . . . . को या इससे पहले दें।	. Please submit your explanation on or before . . . . .
53.	कृपया अत्यन्त आवश्यक समझें।	Please treat this as very urgent.
54.	. . .ने प्रस्ताव देख लिया है और वह उससे सहमत है।	Proposal has been seen and concurred in by . . . . .
55.	प्रस्ताव ठीक है।	Proposal is in order.
56.	खरीद अनुमोदित की जाए।	Purchase may be approved.
57.	उत्तर का मसौदा प्रस्तुत / पेश करें।	Put updraft reply. .
58.	आदेश के लिए प्रस्तुत/ पेश है।	Put up for orders please.
59.	सूचनार्थ प्रस्तुत है।	Put up for information please.
60.	अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।	Put up for perusal please.
61.	देरी / विलम्ब होने के कारण बताए जाएं ।	Reasons for delay be explained.
62.	मामला आदेश के लिए . . . . . को भेजा जाए।	Refer the matter to . . . . . for orders.
63.	सम्बद्ध कागज प्रस्तुत करें।	Relevant papers to be put up.
64.	सम्बद्ध / संगत अभिलेख उपलब्ध नहीं है।	Relevant records are not available.
65.	अनुस्मारक भेजा जा रहा है।	Reminder is being issued.
66.	अनुस्मारक भेजा जाए (स्मरण पत्र भेज दे)।	Reminder may be sent
67.	. . . . . के उत्तर की प्रतीक्षा है।	Reply is awaited from . . .
68.	अनुपालन करके तुरन्त सूचित करें।	Report compliance immediately.

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) की भूमिका

अग्नि और विस्फोटों से जनजीवन तथा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, संगठन को एकसंविधिक प्राधिकरण के रूप में, विस्फोटक अधिनियम, 1884, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934,तथा इन अधिनियमों के तहत बनाए गए विभिन्न नियमों के अंतर्गत जिम्मेदारियां सौंपी गई है ।

कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक,पेसो, नागपुरकी राजभाषायी गतिविधियाँ

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो), नागपुर अपने पाँच अंचल कार्यालय तथा अठारह उप-अचंल कार्यालय, विभागीय परीक्षण केंद्र तथा आतिशबाजी अनुसंधान तथा विकास केंद्र के साथ भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य का पूर्ण अनुपालन हेतु समन्वित प्रयास करता हैं। संगठन प्रमुख के नेतृत्व में यह कायार्लय पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं और राजभाषा की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने हेतु कृतसंकल्प हैं।

कार्यालय राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित है और लगभग सभी अधीनस्थ कार्यालय अधिसूचित किए जा चूके हैं। चूंकि यह संगठन का मुख्यालय हैं अत: मंत्रालय, आदि से प्राप्त विभिन्न निर्देश, पत्रादि सभी अंचल कार्यालयों को प्रेषित कर सभी कार्य का मानिटरिंग किया जाता हैं। जन संपर्क कार्यालय होने के कारण आगंतुको हेतु आगंतुक पास, अधिकारियों के विजिटिंग कार्ड्स द्विभाषी जारी किए जा रहें है । प्रतिदिन सूचना फलक पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में सुविचार लिखा जाता है एवंराजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे है जिसमें आयटी टूल्स का प्रभावी प्रयोग किया जा रहा है-

राजभाषा कार्यान्वयन -कंप्यूटर/आय टी टूल्स का प्रयोग-

हिंदी का और अधिक प्रभावी प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए संगठन द्वारा हिंदी प्रयोग के लिए मानकभाषा एनकोडिंग- यूनिकोडका प्रयोग किया जा रहा है। सभी कंप्यूटर्स यूनिकोड समर्थित किए गए हैं। संगठन में कंप्यूटरीकरण के अंतर्गत यांत्रिक और इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रयोग कार्यालयीन कार्य में किया जा रहा है और इसी दौर में नई सुविधाएं जैसे द्विभाषी मॉड्यूल्स, वेबसाईट, ई-मेल, इंटरनेट, सपोर्ट साईट का प्रयोग राजभाषा के प्रचार-प्रसार में गति प्रदान कर रहा है। मंत्रालय द्वारा जारी महत्वपूर्ण निदेशों,पत्रों इत्यादी को हिन्दी अधिकारी के ई-मेल आय डी द्वारा तथा संगठन की सपोर्ट साईट के माध्यम से सभी संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों को यथा शीर्घ अनुपालना हेतु प्रेषित किए जाते है। संगठन में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाईन मॉड्यूल बनाकर अंचल कार्यालय की तिमाही रिपोर्ट ऑनलाईन प्राप्त कर समीक्षा की जा रही हैं।

राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देशो के अनुपालन में राजभाषा विभाग की वेबसाईट पर सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से वर्ष 2012 से वर्तमान तक सभी तिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट राजभाषा विभाग' क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय को ऑनलाईन प्रेषित की जा रही हैं। संगठन की वेबसाईट का पूर्ण रूप से द्विभाषीकरण का कार्य प्रगति परहैं।

मूल रूप से हिन्दी में कार्य करने हेतु कर्मचारियों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी प्रोत्साहन योजना लागू है एवं प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों को इस योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया । वर्ष के दौरान कार्यालयीन कार्य में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता लाने के उद्येश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर सभी को अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने हेतु प्रेरित किया जाता हैं।

<u>तिमाही बैठको का आयोजन -</u>

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की न्युनतम 4 बैठको का आयोजन किया गया और हर तिमाही के लिए एक कार्ययोजना बनाई गई। इस संदर्भ में, की गई कार्रवाई की जानकारी आगामी तिमाही बैठक में दी गई जिसके द्वारा एक समयबद्ध कार्ययोजना का कार्यान्वयन हो रहा है।

राजभाषा नीतियों एवं विनियम के सुचारू रूप से कार्यान्वयन हेतुं गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के आधार पर <u>जांच बिन्दु</u> बनाएं गए तथा बैठक में सभी अधिकारियों एवं शाखा प्रमुखो को अनुपालनार्थ इसकी प्रतियां वितरित की गई।

राजभाषा विभाग द्वारा जारी निदेशानुसार राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कर्मचारियों को कठिन हिन्दी के बजाय सरल एवं सहज हिन्दी का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।

<u>न.रा.का.स.,नागपुर की बैठको, आदि आयोजनो में सहभाग</u>

राजभाषा हिन्दी की प्रगति हेतु नराकास द्वारा बुलाई गई बैठकों मे कार्यालय के अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से सहभाग लिया जाता है। नराकास के गतिविधियों के लिए रू 12,000/- अंशदान दिया गया। न.रा.का.स., नागपुर की दोनो छमाही बैठको दि. 18.05.2019 और 31.10.2019 में मुख्य विस्फोटक नियंत्रक तथा हिन्दी अधिकारी द्वारा भाग लिया गया। इसके अलावा नराकास (का-1), नागपुर की कार्यकारी/ संपादक मंडल सदस्या के रूप में हिन्दी अधिकारी द्वारा दि. 19.06.2018,11.07.2018, 12.07.2018, 16.10.2018, 18.12.2018 को आयोजित संपादक मंडल की बैठको में भाग लिया। इसके अलावा विभिन्न कार्यक्रमो जैसे- हिन्दी संगोष्ठियों, अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन,अंतर्कार्यालयीन हिन्दी प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाए, आदि मे भी सक्रिय रूप से भाग लिया। दि. 31.10.2018 को हुई नराकास छमाही बैठक में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय की उप निदेशक महोदया, श्रीमती सुनिता यादव द्वारा कार्यालय की हिन्दी अधिकारी डॉ. वैशाली चिरडे को शॉल ओढाकर सम्मानित किया गया। डॉ. वैशाली चिरडे द्वारा *नागपुर स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन- समस्याएं एवं निदान - पेसो के विशेष संदर्भ में* इस विषय में पीएच डी की उपाधि प्राप्त करने पर उन्हें सम्मानित किया गया ।

वर्ष 2018-2019 में पेसो, नागपुर के अधिकारियों द्वारा अंचल/उप-अंचल कार्यालयों का राजभाषायी निरीक्षण किया गया ।

<u>हिन्दी कार्यशालाओ का आयोजन-</u>

- 22 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गृह कल्याण केंद्र, सेमिनरी हिल्स, नागपुर में योग प्रशिक्षक डॉ. मनोज बागडे अपराह्न 04.00 बजे योग से संबंधित हिन्दी कार्यशाला संबोधित की ।
- श्री बसंत त्रिपाठी, प्राध्यापक- श्रीमती बिन्झाणी महिला महाविद्यालय, नागपुरद्वारा दिनांक 29.06.2018 को अपराह्न 04.00 से 5.15 बजे तक "हिन्दी कविता में भाषा चिंतन"इस विषय पर हिन्दी कार्यशाला संबोधित की गई।
- दिनांक 31.08.2018 को अपराह्न 03.30 से 5.30 बजे तक"हिन्दी कल आज और कल"इस विषय परविषय पर डॉ जयप्रकाश)राजभाषा प्रभारी,कर्मचारी राज्य बिमा निगम, उप-क्षत्रीय कार्यालय,नागपुर द्वारा कार्यशाला संबोधित की गई।
- दि. 01.12.2018 को श्रीमती वैशाली एस. चिरडे, हिन्दी अधिकारी द्वारा *पेसो में प्रभावी राजभाषा कार्यान्वयन*विषय पर अधिकारियों के क्षमता उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गतहिन्दी कार्यशाला संबोधित की।
- दि.18.02.2018 को "कार्यालयीन कार्य में ली जाने वाली पूर्वावधानियां" इस विषय पर श्री एम. के. झाला,सं.मु.वि.नि. द्वारा संबोधन किया गया।

न.रा.का.स., नागपुर के तत्वावधान में पेसो, नागपुर में अंतर कार्यालयीन प्रतियोगिता "तात्कालिक हिंदी निबंध प्रतियोगिता (हिंदी भाषी एवं हिंदीतर भाषी)"का आयोजन

राजभाषा के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी न.रा.का.स.(का-1), नागपुर के तत्वावधान में पेसो, नागपुर में दि. 08.08.2018 को अंतर कार्यालयीन हिन्दी" तात्कालिक हिंदी निबंध प्रतियोगिता (हिंदी भाषी एवं हिंदीतर भाषी)" का आयोजन किया गया।

नागपुर स्थित विभिन्न सरकारी कार्यालयों / उपक्रम/निगम/आदि कार्यालयों से इस प्रतियोगिता हेतु कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम श्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी द्वारा सभी का स्वागत किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता करते हुए श्री एस के शुक्ला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (वि.अ.) द्वारा मार्गदर्शन पर संबोधन किया गया। न.रा.का.स., नागपुर के निर्देशों के अनुपालन में श्री नवीन कुमार, कार्यपालक (मा.स.-राजभाषा),बीएचईएल, नागपुरको प्रतियोगिता में परीक्षक एवं पर्यवेक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने प्रतियोगिता के बारे में और नराकास की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

वि.अ.महोदय द्वारा प्रतियोगिता हेतु हिन्दी भाषियों के लिए विषय दिया गया- *मन के हारे हार है, मन के जीते जीत* और हिन्दीतर भाषियों के लिए *खेलो का जीवन में महत्व* यह दो विषय दिए गए। सभी प्रतिभागियों को दिए गए विषय पर निबंध लिखने के निर्देश दिए गए। सभी प्रतिभागियों को भाग लेने पर प्रमाण पत्र जारी किया गया। परीक्षक महोदय द्वारा दिया गया अंतिम परिणाम न.रा.का.स., नागपुर को अग्रिम कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया ।

नागपुर स्थित विभिन्न सरकारी कार्यालयों / उपक्रम/निगम/आदि के प्रतिभागियों के साथ पेसो, नागपुर के श्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी, कार्यालय की हिन्दी अधिकारी श्रीमती वैशाली चिरडे एवं श्री नवीन कुमार, कार्यपालक (मा.स.-राजभाषा),बीएचईएल, नागपुर,नराकास(का-1) के पर्यवेक्षक एवं परीक्षक के रूप में उपस्थित हुए

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो), नागपुर में हिन्दी पखवाडा का आयोजन

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रति जागरूकता तथा उसके उत्तरोत्तर प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक नागपुर (पेसो) में 31 अगस्त से 14 सितंबर 2018 तक हिन्दी दिवस के साथ हिन्दी पखवाडा बडे ही हर्षोल्लास से मनाया गया।

31 अगस्त 2018 को कार्यालय के संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं संगठन प्रमुख श्री एस. के. शुक्ला, द्वारामाँ सरस्वती के चित्र का माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर पखवाड़े का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर पखवाडा अध्यक्ष के रूप में श्री एम. के. झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा संगठन की राजभाषायी उपलब्धियों से अवगत कराया एवं पखवाडे की जानकारी दी। कार्यालय की हिन्दी अधिकारी श्रीमती वैशाली चिरडे व्दारा समस्त पखवाड़ें का प्रबंधन एवं मंच संचालन किया गया ।

शुभारंभ के अवसर पर कर्मचारी राज्य बिमा निगम के राजभाषा प्रभारी डॉ. जयप्रकाश द्वारा "*हिन्दी- कल आज और कल*"इस विषय पर हिन्दी कार्यशाला संबोधित की गई। इस अवसर पर श्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी गृह मंत्रीजी के संदेश का अनुपालनार्थ पठन किया गया।

हिन्दी कार्यशाला के पश्चात एचपीसीएल के अधिकारियों द्वारा स्वच्छता पखवाडे के अंतर्गत कचरे की बास्केट एवं प्लास्टिक पाबंदी के अनुपालन में कपडे से बनी थैलियां वितरित की गई।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढावा देने के उद्देश्य से हिन्दी पखवाडे के अंतर्गत अधिकारियो/कर्मचारियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच उपलब्ध कराते हुए विभिन्न

प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया- जैसे- हिन्दी टंकण (यूनिकोड), हिन्दी टिप्पण-आलेखण, हिन्दी निबंध, हिन्दी श्रृतलेखन, प्रश्नोत्तरि/ लोगो एवं पंच लाईन, अंताक्षरी, हिन्दी स्लोगन एवं पोस्टर, आदि।

सभी प्रतियोगिताओं में अधिकारियों व कर्मचारियों ने बडे उत्साह के साथ बढचढकर भाग लिया। संगठन प्रमुख महोदय के निर्देशानुसार कार्यालय के तकनीकी अधिकारियों को इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में नामित किया गया । इस तरह प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का हिन्दी पखवाडे में महत्वपूर्ण योगदान रहा तथा हमारा मूल उद्देश्य - राजभाषा प्रचार-प्रसार सफल प्रतीत हुआ।

पखवाडे का समापन 14 सितंबर 2018 को आयोजित किया गया।इस अवसर पर सीम्स हॉस्पीटल के प्रख्यात कंसल्टंट न्यूरोसर्जन और निदेशक डॉ. लोकेन्द्र सिंहद्वारा हिन्दी के महत्व को प्रतिपादित किया गया और अपनी शैली में अपनी प्रकाशित हिंदी की चुनिंदा कविताओं का पाठ किया। डॉ. लोकेन्द्र सिंह द्वारा संगठन की हिन्दी गृह पत्रिका विस्फोटक दर्पण अंक 18 का विमोचन किया गया और हिन्दी पखवाडे के अंतर्गत आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सरकार की हिन्दी पुरस्कार योजना के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

इस आयोजन में मुख्यालय के सभी अधिकारी/ कर्मचारी, संगठन के लेखा कार्यालय के सभी अधिकारी/कर्मचारी, आदि उपस्थित हुए थे।अधिकारियो/कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति का साझा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से, कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रचनाओं/विचारों को एक नया आयाम देने के लिए संगठन की हिन्दी गृह पत्रिका ***विस्फोटक दर्पण*** के अंक 18 का प्रकाशन किया गया। इस पत्रिका का संपादन कार्यालय की हिन्दी अधिकारी श्रीमती वैशाली चिरडे व्दारा किया गया।

सरकारी कामकाज हिन्दी में प्रभावी रूप से करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कार्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध संदर्भ ग्रंथ/राजभाषा हिन्दी के महान रचनाकारों/हिन्दी साहित्य/वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य/आदि विषय की हिन्दी "पुस्तको की प्रदर्शनी" आयोजित की गई।

मुख्य अतिथि एवं मु.वि.नि. महोदय के कर कमलो द्वारा हिन्दी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मूल काम हिन्दी में करने वाले कर्मचारियों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजताओं को पुरस्कार वितरित किएगए।

अंत में श्री आर. ए. गुजर उप-मु. वि.नि. द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया और राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

पेसो के अंचल/उप अंचल कार्यालयों की राजभाषायी गतिविधियां

कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मध्यांचल, आगरा

वर्ष 2017-2018 में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग एवं कार्यान्वयन में कार्यालय का कार्य, आगरा नगर स्थित समस्त केन्द्र सरकार के कार्यालयों में **प्रथम स्थान** पर रहा । दिनांक 25.04.2018 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 73वीं बैठक में इस उपलब्धि के लिए कार्यालय को **एकशील्ड एवं प्रशस्ति पत्र** प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार, गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि श्री अजय मलिक, उप-निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गाजियाबाद के कर कमलों से श्री पुरुषेन्द्र कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, डा. आर.के.एस.चौहान, विस्फोटक नियंत्रक/ राजभाषा अधिकारी एवं श्रीमती श्रावणी गांगुली, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने उक्त **शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र** प्राप्त किया ।

कार्यालयाध्यक्ष एवं राजभाषा के सम्बद्ध अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा नियमित रूप से नराकास की बैठकों में तथा राजभाषा संगोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने, नराकास, आगरा द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका के लिए लेख प्रदान करने तथा नगर स्थित अन्य कार्यालयों के राजभाषा कार्यों में आवश्यकतानुसार सहयोग देकर राजभाषा संवर्धन में योगदान दिया गया ।

दिनांक 20.09.2018 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, आगरा की 74वीं छमाही बैठक में आगरा कार्यालय को वर्ष 2018-2019 के दौरान उत्कृष्ट पत्राचार के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नियमित त्रैमासिक बैठकों एवं कार्यशालाओं के आयोजन के साथ ही कार्यालयाध्यक्ष डा. ए.पी.सिंह, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक के मार्गदर्शन में कार्यालय द्वारा वर्ष 2018-2019 में एक अतिरिक्त (पांचवीं) हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

हिन्दी दिवस एवं अन्य आयोजन

प्रतिवर्ष की तरह ही वर्ष 2018 - 2019 में भी हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । इस दौरान बाल-चित्रकला एवं हिन्दी काव्य पाठ का आयोजन किया गया । बच्चों ने इसमें खूब उत्साह से भाग लिया । उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को प्रदर्शित भी किया गया । हिन्दी काव्य पाठ के माध्यम से बच्चों ने राजभाषा के प्रति अपनी निष्ठा का परिचय दिया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा देश के नाम दिए गए संदेश को पढ़ा गया । अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने की शपथ ली गई ।

प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए तथा मूल रूप से हिन्दी में कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया गया । कार्यालय की हिन्दी पुस्तकालय के लिए हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर क्रय की गई पुस्तकों का मुख्य अतिथि महोदया द्वारा लोकार्पण किया गया । उक्त आयोजनों के साथ ही हिन्दी पखवाड़ा का समापन हुआ ।

वार्षिक पत्रिका के अतिरिक्त, त्रैमासिक समाचार बुलेटिनों का प्रकाशन

कार्यालय द्वारा नियमित रूप से प्रकाशित की जा रही वार्षिक गृह पत्रिकाओं की शृंखला में **दिनांक 20.12.2018 को "मध्यांचल दर्पण" के 15वें अंक का विमोचन किया गया** । इसके अतिरिक्त इस कार्यालय एवं अधीनस्थ उपांचल कार्यालयों की राजभाषायी, तकनीकी एवं अन्य गतिविधियों को समेकित करते हुए **"मध्यांचल समाचार"** के नाम से प्रकाशित त्रैमासिक समाचार बुलेटिन के क्रमश: चार अंकों (अंक 7, 8, 9 एवं 10) का भी सफल प्रकाशन किया गया । अंचल की समस्त गतिविधियों का हिन्दी में प्रकाशन करके राजभाषा के प्रचार प्रसार के उत्तरदायित्व का निर्वहन किया ।

अन्य आयोजन

- हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु आयोजित विशेष कार्यक्रमों में नगर के गणमान्य साहित्यकारों एवं कवियों को आमंत्रित किया गया ।
- भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित, वर्ष में चार कार्यशालाओं के आयोजन सम्बन्धी **लक्ष्य से आगे बढ़कर कार्यालय द्वारा पाँच कार्यशालाओं का आयोजन किया गया ।**
- कार्यालय के अधिकारियों ने केन्द्रालय स्थित अन्य कार्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित होकर एवं इस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रमों में केन्द्रालय के अन्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमंत्रित कर, राजभाषा के विकास में स्वयं योगदान देने के साथ ही अन्य कार्यालयों को भी इसके लिए प्रेरित किया ।
- कार्यालयीन कार्य से आए **आगंतुकों के लिए हिन्दी में विज़िटर पास जारी** किए गए ।
- राजभाषा संवर्धन हेतु, कार्यालय में आए आगंतुकों को **आगंतुक पंजिका में हिन्दी में ही प्रविष्टि करने के लिए** प्रेरित किया गया ।
- **राजभाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान देते हुए** कार्यालय की राजभाषायी एवं अन्य गतिविधियों को कार्यालय के फेसबुक एकाउन्ट में पोस्ट किया गया ।
- विश्व पर्यावरण दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस आदि के अवसर पर कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर **हिन्दी में कार्यशाला / परिचर्चा सत्रों के माध्यम से** अधिकारियों / कर्मचारियों को जागरूक किया गया ।
- मंत्रालय / मुख्यालय को कार्यालय द्वारा प्रेषित किए जाने वाले विभिन्न मासिक/ त्रैमासिक / छमाही रिपोर्टों के प्ररूपों का द्विभाषीकरण कर कर्मचारियों को प्रदान किया गया ।गया ।
- संगठन के कार्य सम्बन्धी ऑनलाइन मॉड्यूल द्वारा केवल अंग्रेजी में जारी होने वाले दस्तावेजों का अनुवाद कर द्विभाषी दस्तावेज मॉड्यूल में अपलोड करने हेतु मुख्यालय प्रेषित किया गया ।
- राजभाषा सम्बन्धी विषयों पर कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त संगठन के कार्य के सम्बन्धी **तकनीकी विषयों** जैसे "दीपावली के अवसर पर आतिशबाजियों के क्रय, विक्रय एवं प्रयोग से सम्बन्धित सुरक्षा मानक"**पर भी हिन्दी में कार्यशाला का आयोजन किया गया ।**
- कार्यालय की तकनीकी प्रकृति के कार्य के लिए समय-समय पर आयोजित प्रशासनिक बैठकों के माध्यम से मार्गदर्शन/ निर्देश देने के अतिरिक्त कार्यालय के कार्य की उत्पादकता बढ़ाने, मानव संसाधन के विकास, कैपेसिटी बिल्डिंग एवं अधिकारियों / कर्मचारियों को प्रत्येक कार्यक्षेत्र की जानकारी प्रदान करने के प्रयोजन से

अन्य महत्वपूर्ण विषयों जैसे शासकीय कार्यों में संवाद का महत्व, कार्यालय प्रबन्धन, अभिप्रेरणा, प्रभावी संवाद आदि विषयों पर **हिन्दी में गोष्ठी / परिचर्चा / कार्यशाला का आयोजन कर आयोजन कर राजभाषा संवर्धन में गदान दिया गयायो** ।

- कार्यालय के अलावा संगठन के अंचल-उपांचल कार्यालयों के राजभाषायी कार्यों में सहयोग देकर राजभाषा संवर्धन में योगदान दिया गया ।

''ग'' क्षेत्र स्थित संगठन के कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, दक्षिणांचल, चेन्नई में हिन्दी के प्रयोग का बढ़ावा देने के लिए, इस कार्यालय द्वारा पूर्व में प्रकाशित ''विभागीय शब्दावली'' (अंग्रेजी से हिन्दी शब्द) एवं मानक टिप्पणियों की प्रति प्रेषित की गई ।आगंतुकों / आवेदकों को भी हिन्दी में पत्राचार करने के लिए प्रेरित किए जाने के उद्देश्य से विस्फोटक के अनुज्ञप्तिधारियों से अनुज्ञप्ति जारी करने से पूर्व लिया जाने वाले अण्डरटेकिंग का अनुवाद कर उपांचल कार्यालयों को उपलब्ध कराया गया ।

दिनांक 21.06.2018 कोअन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पतंजली योगपीठ के योगाचार्य श्री ओमकार नाथजी के मार्गदर्शन में योगाभ्यास करते हुए कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

वर्ष 2018-2019 में आयोजित हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

दि 20.12.2018 को मुख्य अतिथि श्री शीलेन्द्र वशिष्ठ एवं डा.आर.एस.तिवारीजी द्वारा मध्यांचल दर्पण 15वें अंक का विमोचन किया

विमोचन किया गया

दि11.01.2019को संगठन प्रमुख को आगरा से स्मृति चिह्न प्रदान किया गया

भोपाल कार्यालय

भोपाल कार्यालय द्वारा दि.12.06.2018 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018-2019 की प्रथम त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया।
वर्ष 2018 - 2019 की प्रथम त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दि. 18.06.2018 किया गया।

श्री वजीउददीन, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, श्री तेजवीर सिंह, उप-विस्फोटक नियंत्रक एवं श्रीमती आकांक्षा सैमुअल, आशु०-।। ने 19.06.2018 को नराकास, भोपाल की छमाही बैठक में भाग लिया।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018-2019 की द्वितीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन 04.09.2018 किया गया।

हिन्दी सप्ताह

भोपाल कार्यालय द्वारा दिनांक 10.09.2018 से 14.09.2018 तक कार्यालय में हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यालयाध्यक्ष श्री वजी-उद-दीन, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में माँ सरस्वती के चित्र के माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हिन्दी सप्ताह का शुभारम्भ हुआ । हिन्दी सप्ताह के दौरान स्लोगन प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता एवं कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । वर्ष में सर्वाधिक डिक्टेशन हिन्दी में देने वाले अधिकारी एवं मूल रूप में हिन्दी में कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान दिनांक 12.09.2018 को ''कार्यालय में राजभाषा की स्थिति'' विषय पर द्वितीय त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

दिनांक 14.09.2018 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री जी का सन्देश सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पढ़कर सुनाया गया।

श्री वजीउद्दीन, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, श्री तेजवीर सिंह, उप-विस्फोटक नियंत्रक एवं श्रीमती आकांक्षा सैमुअल, आशुलिपिक- ।। ने 29.11.2018 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भोपाल की छमाही बैठक में भाग लिया।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018-2019 की तृतीय त्रैमासिक हिन्दीबैठक का आयोजन 10.12.2018 को किया गया जिसमें कार्यालय के राजभाषायी कार्यों की समीक्षा की गई।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की तृतीय त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन 18.12.2018 को किया गया जिसमें ''कार्यालय का अधिकाधिक कार्य राजभाषा में करना'' विषय पर चर्चा की गई।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की चतुर्थ त्रैमासिक हिन्दी बैठक का आयोजन 04.02.2019 को किया गया।

श्री ए.पी.सिंह, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक,मध्यांचल, आगरा द्वारा दि. 11.02.2019 राजभाषायी कार्यों का निरीक्षण किया गया।

डा.ए.पी.सिंह, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मध्यांचल, आगरा की उपस्थिति में 11.02.2019 को 'हिन्दी कार्य की संवीक्षा' विषय पर वर्ष 2018-2019 की चतुर्थ हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उनके द्वारा हिन्दी के कार्य की संवीक्षा की गई एवं कार्यालयीन काम-काज हिन्दी में किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

कार्यालय में पधारे लेखा परीक्षकों की उपस्थिति में 'कार्यालय में लेखापरीक्षा का महत्व' विषय पर 14.02.2019 को वर्ष 2018-2019 की पंचम हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। लेखापरीक्षकों द्वारा आडिट के मुख्य बिन्दुओं के भेदों से अवगत कराया जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले 14 दस्तावेज:

1.सामान्य आदेश 2. अनुज्ञप्ति (License) 3.संकल्प (Resolution) 4.अधिसूचनाएं (Notification 5.अनुज्ञा पत्र (Permit)) 6.प्रेस विज्ञप्तिययाँ / संसूचनाएं (Press Release / Advertisements) 7.निविदा सूचनाएं (Tender Notice) 8.नियम (Provisions / Rules) 9.सूचनाएं (Notice) 10. करार (Agreement) 11. प्रतिवेदन (Report) 12.संविदा (Contract) 13. निविदा फार्म (Tender Form) 14. संसद के किसी भी सदन या सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्ट

इलाहाबाद कार्यालय

इलाहाबाद कार्यालय में दि. 23.04.2018 को कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018-2019 की प्रथम त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया।

डा. अशोक कुमार दलेला, विस्फोटक नियंत्रक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, इलाहाबाद द्वारा आयोजित 26.04.2018 को प्रथम छमाही बैठक में भाग लिया।

कार्यालय प्रमुख की अध्यक्षता में शीर्षस्थ प्रशासनिक बैठक का आयोजन 14.05.2018 को किया गया।

वर्ष 2018-2019 की प्रथम त्रैमासिक कार्यशाला का आयोजन 21.06.2018 को किया गया जिसमें इस वित्तीय वर्ष के वार्षिक कार्यक्रम पर चर्चा की गई।

डा.टी.एल. थानुलिंगम, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने 27.09.2018 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, इलाहाबाद की छमाही बैठक में भाग लिया।

हिन्दी पखवाड़ा

इलाहाबाद कार्यालय में दिनांक 01.09.2018 से 15.09.2018 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। दिनांक 12.09.2018 को "सरकारी पत्राचार कुछ अविस्मरणीय तथ्य तथा टिप्पण के लिए कुछ जरूरी बातें" विषय पर द्वितीय त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया । हिन्दी पखवाड़े के दौरान हिन्दी काव्य पाठ, निबन्ध, पोस्टर, वाद-विवाद एवं टिप्पण लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दिनांक 14.09.2018 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन भी किया गया ।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018-2019 की तृतीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन 28.12.2018 को किया गया ।

वर्ष 2018-2019 की तृतीय त्रैमासिक कार्यशाला का आयोजन 31.12.2018 को किया गया जिसमें राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम विषय पर चर्चा की गई ।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018- 2019 की चतुर्थ त्रैमासिक हिन्दी बैठक का आयोजन 11.03.2019 को किया गया ।

15.03.2019 -वित्तीय वर्ष 2019-2020 का वार्षिक कार्यक्रम एवं उसका अनुपालन विषय पर वर्ष 2018 - 2019 की चतुर्थ त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

रायपुर कार्यालय

रायपुर कार्यालय द्वारा दि 7.04.2018 श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर द्वारा आयोजित प्रथम छमाही बैठक में भाग लिया ।

श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में वर्ष 2018 - 2019 की प्रथम त्रैमासिक बैठक का आयोजन दि 1.06.2018 किया गया ।

'एलपीजी की सुरक्षा सम्बन्धी विभिन्न पहलू' विषय पर वर्ष 2018 - 2019 की प्रथम त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन 28.06.2018 को किया गया। अतिथि वक्ताओं के रूप में मै एचपीसीएल, रायपुर से श्री अमिताभ धर, उप-महाप्रबन्धक (एलपीजी) तथा मै० बीपीसीएल, रायपुर के श्री अशोक डोगर, टेरीटरी प्रबन्धक (एलपीजी) उपस्थित हुए।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की द्वितीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन दि 9.08.2018 किया गया।

श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक ने,AIIGMA, नई दिल्ली में दि 01.09.2018 को आयोजित कार्यशाला में गैस सिलेण्डर नियम 2016 पर व्याख्यान दिया।

श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक, श्री आर. एच. बोरकर, उप-विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री एम.टी.खाडे, अवर श्रेणी लिपिक ने दि 18.09.2018 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की छमाही बैठक में भाग लिया।

<u>रायपुर कार्यालय में हिन्दी सप्ताह</u>

दिनांक 11.09.2018 से 17.09.2018 तक कार्यालय में हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यालयाध्यक्ष श्री आशेन्द्र कुमार, विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में माँ सरस्वती के चित्र के माल्यार्पण के साथ हिन्दी सप्ताह का शुभारम्भ हुआ। हिन्दी सप्ताह के दौरान टंकण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता एवं हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 14.09.2018 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री आर.एच.बोरकर, उप-विस्फोटक नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा देश के नाम दिए गए संदेश को पढ़ा गया।

दिनांक 17.09.2018 को द्वितीय त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला के आयोजन के साथ ही हिन्दी सप्ताह का समापन किया गया । इस अवसर पर श्री संजीव कुमार मिश्र, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यालय के कर्मचारियों की कम संख्या के बावजूद राजभाषा कार्य की उत्कृष्ट स्थिति की उन्होंने सराहना की तथा कहा कि यह कार्यालय राजभाषा के क्षेत्र में शील्ड पाने का भीहकदार है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महोदय द्वारा विजेताप्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

दिनांक 27.11.2018 को कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की तृतीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। सरल एवं सहज हिन्दी के प्रयोग के लिए उपयुक्त शब्दों के चयन एवं उनका सही प्रयोग पर चर्चा की गई।

13.12.2018 वर्ष 2018-2019 की तृतीय त्रैमासिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की चतुर्थ त्रैमासिक हिन्दी बैठक का आयोजन दि 28.02.2019 को किया गया।

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की पंचम हिन्दी बैठक का आयोजन 04.03.2019 को किया गया एवं इसमें कार्यालय के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

वर्ष 2018 - 2019 की चतुर्थ त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन 18.03.2019 को किया गया। इस अवसर पर राजभाषा अधिनियम एवं नियम के प्रावधानों तथा राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए हिन्दीके प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु चर्चा की गई।

<u>देहरादून कार्यालय</u>

09.04.2018 - डा.दिनेश चन्द्र पाण्डेय, विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में वर्ष 2018 - 2019 की प्रथम त्रैमासिक हिन्दी सभा का आयोजन किया गया । बैठक में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम एवं पेट्रोलियम नियम 2012 के अन्तर्गत प्ररूप - XIV में अनुमोदन तथा संशोधन विषय पर चर्चा की गई।

22.05.2018 - नराकास (कार्यालय-1), द्वारा कार्यालय सर्वे ऑफ इंडिया, देहरादून में भारत के विकास में डिजिटल इंडिया का योगदान विषय पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्री कुलवन्त सिंह, उच्च श्रेणी लिपिक एवं श्री किंगकोंग, निम्न श्रेणी लिपिक द्वारा हिंदी निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया गया।

01.06.2018 - 'पेट्रोलियम नियम 2002 के अन्तर्गत फॉर्म के संशोधन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मै० बीपीसीएल एवं एचपीसीएल के अधिकारियों ने भाग लिया ।

05.06.2018 - एसएसपीवी नियम (संशोधित) 2018 एवं कैल्शियम कार्बाइड नियम (संशोधित) 2015 विषय पर वर्ष 2018 - 2019 की प्रथम त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

11.06.2018 - श्री दीपक कुमार, उप-विस्फोटक नियंत्रक एवं हिन्दी अधिकारी तथा श्री कुलवन्त सिंह, उच्च श्रेणी लिपिक ने सर्वे ऑफ इण्डिया, देहरादून में आयोजित नराकास (कार्यालय-1) की प्रथम छमाही बैठक में भाग लिया।

22.06.2018- श्री किंगकोंग, निम्न श्रेणी लिपिक ने वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान, देहरादून में भू-विज्ञान, जल की गुणवत्ता एवं हिन्दी टंकण आदि विषयों पर आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला में भाग लिया।

16.07.2018- कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की द्वितीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया।

28.09.2018- कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की द्वितीय त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

<u>हिन्दी पखवाड़ा</u>

दिनांक 14.09.2018 से 25.09.2018 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। दिनांक 14.09.2018 को हिन्दी पखवाड़ा का शुभारम्भ हुआ। इस दौरान हिन्दी सुलेख, हिन्दी निबन्ध एवं शब्दावली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 14.09.2018 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री दीपक कुमार, उप-विस्फोटक नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा देश के नाम दिए गए संदेश एवं माननीय श्री सुरेश प्रभु, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार द्वारा हिन्दी दिवस पर दिए गए सन्देश को पढ़ा गया । कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा इस अवसर पर संकल्प लिया गया कि सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करेंगे ।

02.11.2018 - डा. बी. सिंह, विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री दीपक कुमार, उप- विस्फोटक नियंत्रक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, देहरादून की छमाही बैठक में भाग लिया।

20.11.2018 - कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 - 2019 की तृतीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें ड्राफ्ट पेट्रोलियम नियम (संशोधित) 2018 विषय पर चर्चा की गई एवं हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों की घोषणा भी की गई।

31.12.2018 - ''फार्म-XIV सर्विस स्टेशनों में इलेक्ट्रिक वेहीकल्स हेतु इलेक्ट्रिक चार्जिगं'' विषय पर वर्ष 2018-2019 की तृतीय त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

14.01.2019 - कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018-2019 की चतुर्थ त्रैमासिक हिंदी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डा० बी० सिंह, विस्फोटक नियंत्रक द्वारा ''सिस्टम फॉर एक्सप्लोसिव ट्रेकिंग एवं ट्रेसिंग'' विषय पर चर्चा की गई। कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बैठक में भाग लिया।

18.03.2019- वर्ष 2018 - 2019 की चतुर्थ त्रैमासिक हिन्दीकार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें स्थिर तथा गतिशील दाबपात्र (अज्ज्वलित) नियम (संशोधित) 2019 एवं ''राजभाषा सम्बन्धी दिशा निर्देश'' विषयों पर चर्चा की गई । कार्यशाला में कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

<u>कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक फरीदाबाद</u>

कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक, फरीदाबाद में वर्ष में मंत्रालय एवं मुख्यालय द्वारा समय समय पर जारी राजभाषायी निर्देशों का कडाई से पालन किया गया एवं इसके प्रचार प्रसार के लिए कई आयोजन किए गए। दिनांक 23-04-2018 को नराकास फरीदाबाद द्वारा केन्द्रीय कार्यालय वर्ग को राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता वर्ष 2016-17 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। दिनांक 22-05-2018 नराकास फरीदाबाद द्वारा आयोजित वर्ष 2018-19 की पहली छमाही बैठक में श्री आर एन मीनासंयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रकश्री आर.के.मण्डलोई, उ.वि.नि. एवं श्री अजय कुमार, उ.श्रे.लि. ने भाग लिया। दिनांक 22-06-2018 को श्री आर. एन. मीना, कार्यालय अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यालय परिसर में त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला एवं कार्यालय हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।दिनांक 24-09-2018 को श्री आर. एन. मीनाकार्यालय अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यालय परिसर में त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला एवं कार्यालय हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

दिनांक 10.09.2018 से 24.09.2018 तक कार्यालय में हिन्दी पखवाडा मनाया गया जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न तरह की हिन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सभी विजेताओं को कार्यालय अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए ।

दिनांक 26-10-2018 को नराकास द्वारा आयोजित बैठक में श्री आर.एन. मीना, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक श्री आर.के.मण्डलोई, उ.वि.नि. एवं श्री अजय कुमार, उ.श्रे.लि. ने भाग लिया । इस बैठक में श्री आर. एन. मीना, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक को राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता वर्ष 2016-17 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर शील्ड भेंट की गई। दिनांक 26-12-2018 को श्री आर.एन. मीना, कार्यालय अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यालय परिसर में त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला एवं कार्यालय हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। दिनांक 16-01-2019 को नराकास द्वारा आयोजित विशेष बैठक में श्री डी. के. गुप्ता, उप मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक व डा. संजय कुमार सिंह, वि.नि. ने भाग लिया। दिनांक 28-03-2019 को श्री आर. एन. मीना, कार्यालय अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यालय परिसर में त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला एवं कार्यालय हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

<u>कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, चेन्नई</u>

प्रतिवर्ष की भांति कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किया गया । द्विभाषी पत्राचार को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया। रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान हिंदी पखवाडा 06-09-2019 से 20-09-2018 तक पूर्ण उत्साह के साथ मनाया गया । डॉ. चिट्टी अन्नपूर्णा, प्रोफेसर, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिंदी पखवाडा में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके दैनिक कार्य में हिंदी भाषा को लागू करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए हर तिमाही में हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

हिंदीपखवाडा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए।मुख्य अतिथि, श्री गणेश बाबू, उप महाप्रबंधक, राजभाषा, इण्डियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, चेन्नई ने अपने भाषण में सामान्य सरकारी गतिविधियों में हिन्दी के प्रयोग एवं कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिये और अधिक प्रयास किये जाने पर बल दिया। श्री भूपेन्द्र सिंह, उप विस्फोटक नियंत्रक और हिंदी अधिकारी ने वार्षिक कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी के कार्यान्वयन के लिए किए गए कदमों के बारे में जानकारी दी।

कार्यालयीन गतिविधियों में मूल रूप से हिंदी में प्रारूपण/नोटिंग के लिए श्रीमती एल. अनुराधा, उच्च श्रेणी लिपिक को प्रथम पुरस्कार, श्रीमती के एस रेका, अवर श्रेणी लिपिक को दूसरा पुरस्कारऔर श्रीमती आर मणिमाला को तीसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया और प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।वर्ष के दौरान प्रत्येक तिमाही में हिंदी तिमाही बैठकेंआयोजित की गईं।

श्री भूपेंद्र सिंह, उप विस्फोटक नियंत्रक और श्री अजय, आशुलिपि ने 12-06-2018 को आईसी और एसआर ऑडिटोरियम, आईआईटी मद्रास, गिंडी, चेन्नई -600054 में आयोजित टाउन आधिकारिक भाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में विस्फोटकों के नियंत्रकों ने भाग लिया।

उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक कार्यालय, मैंगलोर

उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मंगलौर कार्यालय में प्रतिवर्ष की ही तरह दि.18-09-2018 से 24-09-2018 हिंदी सप्ताह मनाया गया था। डॉ.एस एम मन्नन, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा हिंदी सप्ताह का उद्घाटन किया गया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक साथ एकत्रित करने में हिंदी के महत्व पर बल किया। श्री ए. एस. क्षीरसागर उप विस्फोटक नियंत्रक ने कार्यालय की दैनिक गतिविधियों में हिंदी का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री ए. एस. क्षीरसागर, और श्री एन. गोविंदराम, उप विस्फोटक नियंत्रक ने कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर, डॉ. एस एम मन्नन, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने हिंदी सप्ताह में सक्रिय भागीदारी के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का मार्गदर्शन करते हूए कहा कि हिन्दी एक सरल एवं सहज भाषा है, दैनिक कार्यालिन कामकाज में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग किया जाना चाहिए । श्री ए एस क्षीरसागर, उप विस्फोटक नियंत्रकऔर हिंदी अधिकारी ने वार्षिक कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी के कार्यान्वयन के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए थ। श्री कृष्ण कांत, हिंदी सहायक ने धन्यवाद भाषण प्रस्तुत किया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिंदी सप्ताह में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया।

उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक कार्यालय, एर्नाकुलम

पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन के कोच्चि उप अंचल कार्यालय ने वर्ष 2018-19 में हिन्दी भाषा के कार्यान्वयन में अभूतपूर्व प्रगति की है। श्री ए के मेहता, विस्फोटक नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी और श्रीमती डैसी चाको, उच्च श्रेणी लिपिक, ने राजभाषा अनुभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी "संघ के कार्यालयीन गतिविधियों को हिन्दी में करने के लिए वार्षिक कार्यक्रम" में काफी रुचि ली और सुनिश्चत किया कि इस कार्यालय में इसका सख्ती से पालन किया जाय।

हिन्दी तिमाही बैठकें कार्यालय के प्रमुख श्री एस एम कुलकर्णी की अध्यक्षता में आयोजित की गईं और विभिन्न क्षेत्रों में आधिकारिक भाषा के कार्यान्वयन की प्रगति का आकलन करने के लिए और

अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके दिन के कार्यालयीन कामकाज में हिंदी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस कार्यालय में हिंदी में किए गए कार्यों पर मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित आधार पर संबंधित अधिकारियों को जमा की गई और ऑनलाइन मॉड्यूल पर पोस्ट की गई थी।दि. 14-09-2018 से 20-09-2018 तक आयोजित हिंदी पखवाड़े के दौरान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा भागीदारी के स्तर में वृद्धि हुई। पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें गीत गायन, कविता पाठ, निबंध लेखन और हिंदी में वकृत्व प्रतियोगिता शामिल था। हिंदी सप्ताह का समापन दि. 20-09-2017 किया गया और इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि श्री धर्मेंद्र कुमार, उप निदेशक, हिन्दी शिक्षण द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए।

ऑनलाइन मॉड्यूल में कई फाइल नोटिंग, और मसौदे हिंदी में लिखे गए। नियमित अंतराल पर बैठकें भी आयोजित की गई हैं और कार्यालय की सभी मुहरों, अधिकारियों के नाम बोर्ड और कार्यालय के विभिन्न वर्ग द्विभाषी प्रारूप में हैं।

<u>विस्फोटक के नियंत्रक कार्यालय, वेल्लोर</u>

मंत्रालय एवं मुख्यालय द्वारा समय समय पर जारी निर्देशों के अनुपालन में विस्फोटक नियंत्रक वेल्लोन कार्यालय में वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार प्रयास किए जा रहे है। नराकास, वेल्लोर के सदस्य होने के नाते यह कार्यालय आवश्यकतानुसार सभी गतिविधियों में भाग लेता रहा है। श्री आर गणेश, डीसीई ने 14-03-2019 को आयोजित 22 वीं वेल्लोर नराकास बैठक में भाग लिया था ।

<u>विस्फोटक के उप मुख्य नियंत्रक कार्यालय, विशाखापत्तनम</u>

उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, विशाखापत्तनम लगातार कार्यालयीन काम में हिंदी के उपयोग और कार्यान्वयन की मानिटरिंग करते रहे हैं। इस कार्यालय ने द्विभाषी कार्यालय मुहरों के कार्यान्वयन और लाइसेंसधारकों को पत्र जारी करने, हिंदी में आधिकारिक नाम पट्ट का प्रदर्शन और राजभाषा प्रचार नारे प्रस्तुत किए। कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक समिति गठित की गई जिसमें श्री जे सरकार (उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक और अध्यक्ष) श्री अमोल

जे. सोनबरसे (उप विस्फोटक नियंत्रक और हिंदी अधिकारी) और श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव (सहायक) सदस्य हैं। समिति आधिकारिक कार्यों के विभिन्न क्षेत्रों में आधिकारिक भाषा के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी के लिए प्रत्येक तिमाही में बैठक आयोजित करती है। हिंदी के कार्यान्वयन के बारे में त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट संबंधित प्राधिकारी को नियमित आधार पर जारी की गई। हिंदी सप्ताह 14-09-2018 से 24-09-2018 तक मनाया गया था, जिसके दौरान विभिन्न कार्यक्रम (पोस्टर, प्रतियोगिता, पढ़ना और लेखन पूरा करना, निबंध पूरा करने और बहस प्रतियोगिता आदि) आयोजित किए गए थे।24-09-2018 को मौसम विज्ञान विभाग, हिन्दी अधिकारी श्रीमती एन सुनन्दा, विशाखापत्तनम को समापन कार्यक्रम पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए थे। टोलिक सदस्यता प्राप्त करने के लिए गतिविधि को बढ़ावा दिया गया है जिसके अनुसार यह कार्यालय ऑनलाइन टोलिक सदस्यता प्राप्त करने हेतु पंजीकृत हो चुका है।

उप मुख्य विस्फोटकनियंत्रक कार्यालय, शिवाकाशी

कार्यालय, उप मुख्य विस्फोटकनियंत्रक, शिवाकाशी,राज भाषा अधिनियम को लागू करने के प्रयास किए गए हैं। हिंदी सीखने की सुविधा के लिए, एक बोर्ड बनाया गया है और कार्यालय के प्रवेश द्वार में रखा गया है जहां अंग्रेजी अर्थ वाला एक नया हिंदी शब्द हर दिन लिखा जाता है। अधिकारियों, वर्गों, टिकटों, पत्र प्रमुखों के द्विभाषी नाम बोर्डों का उपयोग किया गया है। त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई और दैनिक कार्यों पर हिंदी का उपयोग करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों को प्रोत्साहित किया जाता है। सभी अनुमोदन पत्र और लाइसेंस द्विभाषी रूप में जारी किए जाते हैं।

उप मुख्य विस्फोटकनियंत्रक के मार्गदर्शन में हिंदी सप्ताह 14-09-2018 से 20-09-2018 तक मनाया गया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूर्ण रुचि और समर्पण के साथ सभी कार्यक्रमों में भाग लिया । इस अवधि के दौरान, अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को नकद पुरस्कार वितरित किए गए। श्री अमित गोयल , उप विस्फोटक नियंत्रक,एफआरडीसीको कार्यालय, उप मुख्य विस्फोटकनियंत्रकस, शिवाकाशी के लिए अधिकारी हिंदी अधिकारी के रूप में नामांकित किया गया है।

उप मुख्य विस्फोटक, नियंत्रक, हैदराबाद

इस कार्यालय ने 11-09-2018 से 18-09-2018 तक हिंदी सप्ताह मनाया, जिसके दौरान निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता, बहस आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। श्री दृशी रिजवान पाशा, मैनेजर, मैसर्स एचपीसीएल, हैदराबाद ने समारोह

का उद्धाटन किया। हिंदी सप्ताह 18-09-2018 को समाप्त हुआ था और इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरित किया गया ।इस कार्यालय का श्री कुनल भूषन, आशुलिपिक श्रेणी.III और श्री जयपाल, अवर श्रेणी लिपिक ने कंप्यूटर पर हिन्दी के प्रयोग के लिए मूल प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पूर्वी अंचल कोलकाता

कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पूर्वी अंचल कोलकाता में प्रतिवर्ष की भांति राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मुख्यालय द्वारा भारत सरकार की राजभाषा नीति के अंतर्गत जारी विभिन्न निर्देशों का पूर्ण अनुपालन किया।

वर्ष 2018-19 में दिनांक 06.06.2018, 05.09.2018, 6.12.2018 एवं 14.3.2019 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । दि. 5.6.2018, 5.9.2018, 4.12.2018 एवं 6.3.2019 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, कोलकाता द्वारा हिन्दी बैठक का आयोजन किया गया ।दिनांक 12.12.2018 को हिन्दी प्रशिक्षण योजना, भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता द्वारा लाईसनिंग अधिकारियों, (हिन्दी) के लिए आयोजित बैठक में श्री जरिफुद्दीन अहमद, उप विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री नितीन शिवाजी शेटे, उप विस्फोटक नियंत्रक द्वारा भाग लिया गया। दिनांक 19.3.2018 को श्री नितीन शिवाजी शेटे, उप विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री एम लोहार, आशुलिपिक-I ने कोलकाता नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया ।

हिन्दी प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत आयोजित **"कम्प्युटर मे हिन्दी प्रशिक्षण कार्याक्रम"** में श्री एस. एन. दास, सहायक एवं श्री ए. के. स्वाईं, उच्च श्रेणी लिपिक ने दिनांक 12.11.2018 से 16.12.2018 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया ।हिन्दी प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता में आयोजित **"कम्प्युटर टाईपिंग कोर्स"** में श्री पिन्टू कुमार, अवर श्रेणी लिपिक ने दिनांक 31.12.2018 से 04.01.2019तक प्रशिक्षण प्राप्त किया । श्री पिन्टू कुमार, अवर श्रेणी लिपिक द्वारा कम्प्युटर टाईपिंग कोर्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसके लिए उन्हे वार्षिक वेतन वृद्धि एवं रु 800 का नगद पुरस्कार दिया गया।

<u>हिन्दी पखवाड़ा समारोह, वर्ष 2018</u>

कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पूर्वी अंचल कोलकाता में इस वर्ष दिनांक 03.9.2018 से 18.9.2018 तक हिन्दी पखवाड़ा समारोह का सफल आयोजन किया गया । हिन्दी पखवाड़ा के दौरान कार्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई जिन में पोस्टर एव स्लोगन, वाद विवाद, हिंदी टिप्पण, सुलेखन और हिन्दी का सामान्य ज्ञान आदि प्रतियोगिताओं का समावेश

था। इन प्रतियोगिताओं में कार्यालय के सभी कर्मचारियों ने बढ चढ कर भाग लिया और सभी अधिकारियों द्वारा प्रतियोगिताओं के सफल संचालन हेतु सहयोग प्राप्त हुआ।

कार्यालय मे दिनांक 05.09.2018 को राजभाषा से सबंधित कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर प्रवक्ता श्रीमती रेशमी पांडा मुखर्जी, विभागाध्यक्ष, गोखले मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता को मुख्य अतिथि के रूप में आमन्त्रित किया गया था, जिसमें उन्होंने हिंदी के कार्यालयीन उपयोग पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सभी अधिकारी एव कर्मचारियो ने बढ चढ कर कार्यशाला में भाग लिया।

दिनांक 14.09.18को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन डॉ. आर. के. राठोड उ.मु.वि.नि. एवं अध्यक्ष,कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा किया गया। इस दौरान श्री. राजनाथ सिंह जी, गृहमंत्री भारत सरकार के संदेश का पठन किया गया ।

दिनांक 18.09.2018को हिन्दी पखवाडा 2018 के समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें श्री. जितेंद्र प्रसाद, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप-संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, कोलकाता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत श्री. जितेंद्र प्रसाद एवं डॉ. आर. के. राठोड उ..मु.वि.नि. एवंअध्यक्ष,कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। हिन्दी राजभाषा अधिकारी श्री. नितीन शिवाजी शेटे,उप-विस्फोटक नियंत्रक द्वारा पखवाडे में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे मे सभी को अवगत कराया गया। श्री. जितेंद्र प्रसाद एवं डॉ. आर. के. राठोड उ..मु.वि.नि. और श्री. अब्दुल मुतालिब, विस्फोटक नियंत्रक द्वारा उपरोक्त प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवम प्रोत्साहन पुरस्कारों का वितरण किया गया।

इस दौरान श्री. जितेंद्र प्रसाद जी ने अपने एक घंटे के व्याख्यान में हिंदी को बढावा देने हेतु सरकार के प्रयासों में सभी की भागीदारी की आवश्यकता को महत्त्वपूर्ण बताया। डॉ. आर. के. राठोड उ..मु.वि.नि. एवं अध्यक्ष,कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा हिन्दी का महत्त्व प्रतिपादित किया और सभी अधिकारियों एव कर्मचारियों को रोज-मर्रा की नोटिंग में हिन्दी का बढ चढ कर उपयोग करने हेतू प्रोत्साहित किया। सभी अधिकारी एवम कर्मचारियों द्वारा आनेवाले वर्ष में हिन्दी के प्रति समर्पण के साथ काम करने का निश्चय किया गया। अंत में श्री. अब्दुल मुतालिब, विस्फोटक नियंत्रक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हिन्दी पखवाड़ा समारोह, वर्ष 2018 का समापन हुआ। इस पखवाडे के आयोजन में दिनांक 03.9.2018 से 18.9.2018 तक के कार्यक्रमों को संचालित करने एवम सुचारु रुप से सम्पन्न कराने में श्री. नितीन शिवाजी शेटे उ..वि.नि. का योगदान विशेष सरहनीय रहा।

<u>कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, गुवाहाटी</u>

कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, गुवाहाटी में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यालय में दिनांक **16/04/2018** को राजभाषा समिति की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक **21/06/2018** को कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया एवं संपूर्ण कार्यवाही हिन्दी में की गयी। दिनांक **24/08/2018** को आयोजित नराकास की बैठक में श्री गगन अग्रवाल, उप विस्फोटक नियंत्रक एवं हिन्दी अधिकारी सम्मिलित हुएं।

दिनांक **07/09/2018** से **14/09/2018** तक कार्यालय में "हिन्दी सप्ताह"का आयोजन किया गया। इस दौरान दिनांक **11/09/2018** को "संयुक्त हिन्दी कार्यशाला"का आयोजन किया गया जिसमें पेसो एवं आई.बी.एम. कार्यालयों की सहभागिता रही। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बदरी यादव, अनुसंधान अधिकारी, राजभाषा विभाग एवं विशिष्ट अतिथि श्री पी के भट्टाचार्याजी, आंचलिक खनन् नियंत्रक, भारतीय खनन् ब्यूरो को आमंत्रिक किया गया। दिनांक **29/10/2018** को तिमाही अवधि हेतु डा. एम.आई.जेड. अंसारी, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। दिनांक **29/10/2018** से **03/11/2018** तक कार्यालय में "**सर्तकता सप्ताह**"का अयोजन किया गया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिन्दी में शपथ ली गयी। दिनांक **31/10/2018** को कार्यालय में

"राष्ट्रीय एकता दिवस"का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिन्दी में शपथ ली गयी। दिनांक **01/11/2018** से **15/11/2018** तक कार्यालय में स्वच्छता पखवाडा का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने एवं कार्यालय परिसर को स्वच्छ रखने हेतु बैनर, पोस्टर आदि हिन्दी में छपवाए गयें। दिनांक **15/02/2019** को आयोजित नराकास की बैठक में श्री दिनेश सिंह, उप विस्फोटक नियंत्रक सम्मिलित हुएं। दिनांक **18/02/2019** को कार्यालय में तिमाही अवधि हेतु कार्यालय प्रमुख की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यालय में वर्ष **2018-19** हेतु दिनांक **16/04/2018 , 14/09/2018, 29/10/2018** एवं **18/02/2019** में चार हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की गयी। दिनांक **29/03/2019** को कार्यालय में राजभाषा के कार्यान्वयन हेतु श्री. वी. के. मिश्रा, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा वार्षिक निरीक्षण किया गया। कार्यालय के सभी तिमाही, छमाही एवं वार्षिक हिन्दी रिपोर्टें पेसो एवं राजभाषा विभाग की वेबसाइटों पर ऑनलाइन समय पर भेजी गयी।

<u>कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मुम्बई</u>

कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मुम्बई में 01अप्रैल 2018 से 31मार्च 2019 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।दिनांक 20-06-2018 को कोंकण रेल विहार, नेरुल मे नराकास की 27 वी बैठक का आयोजन किया गया जिसमे कार्यालय के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक तथा श्री दिनेश सिंह, उप विस्फोटक नियंत्रक ने हिस्सा लिया।

दिनांक 26-06-2018 को कार्यालय मे वर्ष की प्रथम तिमाही की प्रथम हिन्दी कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमे कार्यालय के सभी अधिकारी एवम कर्मचारी ने हिस्सा लिया।

दिनांक 05-09-2018 से 18-09-2018 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन हुआ। इस दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं का आयोजन हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित हुआ।

दिनांक 05-09-2018 को कार्यालय मे वर्ष की द्वितीय तिमाही की प्रथम हिन्दी कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमे कार्यालय के सभी अधिकारी एवम कर्मचारी ने हिस्सा लिया।

दिनांक 15-10-2018 को कार्यालय मे वर्ष की तृतीय तिमाही की प्रथम हिन्दी कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमे कार्यालय के सभी अधिकारी एवम कर्मचारी ने हिस्सा लिया।

दिनांक 31-12-2018 को विभागाध्यक्ष मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, श्री एम॰ के॰ झाला तथा संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, श्री आर॰ ए॰ गुजर द्वारा इस कार्यालय मे हो रही हिन्दी के काम-काज तथा गतिविधियो का निरीक्षण किया गया तथा हिन्दी को वढावा देने के लिए उचित मार्गदर्शन दिया।

दिनांक 07/01/2019 से 11/01/2019 तक श्रीमति संध्यारानी, आशुलिपिक ने केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, बेलापुर मे कम्प्यूटर पर हिन्दी मे काम करने के लिए बेसिक प्रशिक्षण लिया।

दिनांक 29-01-2019को डा॰ योगेश खरे, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता मे वर्ष 2018-19 की चतुर्थ तिमाही की प्रथम हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा इस कार्यशाला मे मुख्य अतिथि के रूप मे डा॰ राकेश कुमार, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग को आमंत्रित किया गया।

कार्यालयउप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, वडोदरा

कार्यालयउप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, वडोदरा द्वारा राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। दि. 02 - 04 - 2018 को हिन्दी कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया। 18 - 05 - 2018 को वित्तीय वर्ष 2018 - 2019 की प्रथम हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । हिन्दी के प्रचार - प्रसार सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा की गई साथ ही हिन्दी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया गया । कार्यालय में दिनांक 21 - 06 - 2018 को योग दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें श्री ए. के. यादव, विस्फोटक नियंत्रक, वडोदरा ने कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग के बारे में जानकारी दी तथा उन्हें योगाभ्यास भी करवाया । भारतीय रेल अकाडमी , वडोदरा के तत्वावधान में दिनांक 25 - 07 - 2018 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक में श्री रजनीश पिपलानी , उप - मुख्य विस्फोटक नियंत्रक व श्री संदीप कुमार , उप - विस्फोटक नियंत्रक ने भाग लिया। इस कार्यालय में दिनांक 24 - 08 - 2018 को वित्तीय वर्ष 2018 - 2019 की द्वितीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । उक्त कार्यालय में कार्यालय में हिन्दी के प्रचार - प्रसार सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा की गई । साथ ही हिन्दी के प्रचार - प्रसार को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया गया । कार्यालय में दिनांक 04 - 09 - 2018 से 14 - 09 - 2018 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया , जिसमे । कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया । इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया , जिसमें विजयी प्रतिभागियों को दिनांक 14 - 09 - 2018 को हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह के अवसर पर । मुख्य अतिथि व कार्यालय प्रमुख्य द्वारा पुरष्कृत किया गया । कार्यालय में दिनांक 29 - 10 - 2018 से 03 - 11 - 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया । इस कार्यालय में दिनांक 05 - 11 - 2018 को वित्तीय वर्ष 2018 - 2019 की तृतीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । उक्त कार्यालय में कार्यालय में हिन्दी के प्रचार - प्रसार सम्बन्धी कार्यों की रागीक्षा की गई । साथ ही हिन्दी के प्रचार - प्रसार को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया गया । भारतीय रेल अकाडमी , बडोदरा के तत्वावधान में दिनांक 19 - 12 - 2018 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक में श्री रजनीश पिपलानी , उप - गुख्य विस्फोटक नियंत्रक , डॉ . पी . के . राणा , उप - विस्फोटक नियंत्रक तथा श्री बी . आर . गौतम , आशुलिपिक ग्रेड - ।। ने भाग लिया । दिनांक 20 - 03 - 2019 को वित्तीय वर्ष 2018 - 2019 की चतुर्थ हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यालय में कार्यालय में हिन्दी के प्रचार - प्रसार सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही हिन्दी के प्रचार - प्रसार को बढावा दिए जाने पर जोर दिया गया।

विस्फोटक नियंत्रक कार्यालय, पटना

विस्फोटक नियंत्रक कार्यालय, पटना कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन को विशेष महत्व दिया गया और वार्षिक कार्यक्रम के अनुरुप कार्य किया गया। कार्यालय राजभाषा नियम 1976 के नियम-10(4) के अधीन अधिसूचित है।

कार्यालय में 12/09/2018 से 25/09/2018 तक हिन्दी पखवाडा समारोह का आयोजन किया गया। दिनांक 15/09/2018 को हिंन्दी दिवस भी मनाया गया । समारोह के दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राजभाषा के अधिकाधिक कार्यान्वयन के महत्व पर चर्चा की गयी । सभी ने इस विषय के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किये । कार्यक्रम के दौरान हिन्दी वाद विवाद, हिन्दी गायन, हिंन्दी काव्यपाठ की प्रतियोगिताऐं आयोजित की गयी, जिसमें सभी ने उल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के समापन समारोह में विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया।

श्री निर्मल कुमार दुबे, सहायक निर्देशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय कोलकाता के द्वारा दिसम्बर 2018 में इस कार्यालय का विशेष निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान विभिन्न पहलुओं की जांच की गयी एवं निरीक्षक महोदय ने कार्यालय में राजभाषा संबंधित कार्यो की सराहना भी की ।

कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नापेस एवं परीक्षण केन्द्र, गोंडखैरी

नापेस एवं परीक्षण केन्द्र, गोंडखैरी द्वारा मंत्रालय एवं मुख्यालय द्वारा समय समय पर जारी राजभाषायी निर्देशों का पालन किया और अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने का प्रयास किया गया । वर्ष में कार्यालय द्वारा सर्वप्रथम कार्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया तथा तिमाही बैठको का आयोजन किया गया जिसमें हिन्दी कार्य में प्रगति की समीक्षा की गई ।

अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित करने हेतु कार्यालय में हिंदी पुस्तकों का क्रय किया गया और हिंदी समाचार पत्र और पत्रिकाओं का भी क्रय किया गया । दि. 24.09.2018 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालयीन कार्य से जुडे विष्य पर सभी का ज्ञानवर्धन किया गया । दि.10.09.2018 से 24.09.2018 तक कार्यालय में हिन्दी पखवाडा मनायागयाऔर इसके अंतर्गत कई प्रतियोगिताएं, पुस्तकों की प्रदर्शनी , आदि का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को समापन समारोह के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। दि. 18.09.2018 को श्री सोलंकी, हिंदी अधिकारी द्वारा हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवधि में कार्यालय का हिंदी पत्राचार की प्रतिशतता भी बढी। सभी को और अधिक कार्य हिन्दी में करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

<u>उपलब्धियां</u>

वर्ष 2017-2018 में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग एवं कार्यान्वयन में कार्यालय का कार्य, आगरा नगर स्थित समस्त केन्द्र सरकार के कार्यालयों में **प्रथम स्थान** पर रहा ।

दिनांक **25.04.2018** को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 73वीं बैठक में इस उपलब्धि के लिए कार्यालय को **एकशील्ड एवं प्रशस्ति पत्र** प्रदान कर पुरस्कृत किया गया ।

को**20.09.2018** नराकास छमाही बैठक में कार्यालय को उत्कृष्ट हिन्दी पत्राचार के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

पेसो, नागपुर को वर्ष 2017-2018 के लिए प्राप्त नराकास पुरस्कार

कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पेसो, नागपुर को वर्ष 2017-2018 के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (न.रा.का.स.)(का-1), नागपुर के तत्वावधान में दिनांक 08.03.2019 को पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., नागपुर के प्रेक्षागृह में आयोजित न.रा.का.स. पुरस्कार वितरण समारोह में पेसो में राजभाषा कार्यान्वयन के उत्कृष्ट प्रयोग लिए **द्वितीय पुरस्कार** तथा हिन्दी गृह पत्रिका विस्फोटक दर्पण अंक 17 के लिए **प्रथम पुरस्कार** प्रदान किया गया।

इन पुरस्कारों कोश्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी डॉ. वैशाली चिरडे, हिन्दी अधिकारी द्वारा ग्रहण किया गया।

इस समारोह में कार्यालय की हिन्दी अधिकारी डॉ. **वैशाली चिरडे** को राजभाषा हिन्दी के सफल कार्यान्वयन एवं नराकास सदस्य कार्यालयों में सक्रिय योगदान हेतु वर्ष 2017-18 का "**राजभाषा सेवा सम्मान**" प्रदान किया गया। (न.रा.का.स.)(का-1), नागपुर के तत्वाधान में आयोजित अंतरकार्यालयीन प्रतियोगिता "तात्कालिक काव्य लेखन" में कार्यालय के श्री शुभम कुमार गुप्ता, लेखापाल और श्री विकास, क.श्रे.लि. एवं को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस अवसर पर नराकास संपादक मंडल एवं कार्याकारी सदस्या के योगदान के लिए संगठन की हिन्दी अधिकारी डॉ. वैशाली चिरडे को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।